■ वैशाख कृष्ण - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 255 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 15-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 वक्फ संपत्तियों का पात्रों को नहीं मिल रहा था लाभ, इसलिए सरकार ने किया हस्तक्षेप

6 बेहाल वृद्धों के लिए आयोग बनना एक सराहनीय कदम

7 फिल्म जाट को मिल रही प्रशंसा से अभिभूत हैं सनी देओल

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में ट्रक ऑपरेटर हड़ताल पर जाएंगे

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में मालवाहक ट्रकों के सोमवार आधी रात से हड़ताल पर चले जाने की संभावना है। ट्रक ऑपरेटर ईंधन मूल्य में वृद्धि और टोल प्लाजा पर उत्पीड़न के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले हैं। फेडरेशन ऑफ कर्नाटक स्टेट लॉरी ओनर्स एंड एजेंट्स एसोसिएशन के मानद महासचिव सोमसुंदरम बालन ने सोमवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की बात कही। यह संगठन कर्नाटक का सबसे बड़ा परिवहन निकाय है, जिसमें लगभग छह लाख ट्रक पंजीकृत हैं और इसमें 196 ट्रक निकाय शामिल हैं।

हज कोटे में कटौती से परेशानी हुई : स्टालिन

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को कहा कि भारत के हज कोटे में अचानक कटौती किये जाने से हजारों हज यात्रियों को परेशानी हुई है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से सऊदी अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर बातचीत करने और शीघ्र समाधान करने का आग्रह किया।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में सैन डिएगो के निकट जोरदार भूकंप आया

सैन डिएगो (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में सोमवार सुबह सैन डिएगो के निकट जोरदार भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 5.2 थी और इसका केंद्र सैन डिएगो के पूर्व में जूलियन नामक पर्वतीय शहर के पास था। भूकंप के कारण सैन डिएगो में अलमारियां हिल गईं तथा इसका असर उत्तर में लॉस एंजिलिस तक महसूस किया गया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को मिला संदिग्ध ईमेल

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को एक संदिग्ध ईमेल मिला है जिसमें राम मंदिर की सुरक्षा को खतरा होने के संबंध में चेतावनी दी गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अयोध्या जिले की पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने न्यास के साथ मिलकर संदिग्ध ईमेल की जांच शुरू कर दी है जो तमिलनाडु से आया था। सूत्रों ने बताया कि रविवार और सोमवार की रात को मिले ईमेल में न्यास को राम मंदिर की सुरक्षा को खतरा होने के संबंध में चेतावनी दी गई है।

15-04-2025 सूर्यास्त 6:21 बजे | 16-04-2025 सूर्योदय 6:55 बजे

BSE	NSE
75,157.26 (+1,310.11)	22,828.55 (+429.40)

सोना	चांदी
9,312 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	102,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कोर्ट बनाम जनमत

हर विवाद का कोर्ट हल करे,
हो संभव बस यही सदा।
कुछ तथ्य सबूत गवाहों से,
यह परंपराएं रही सदा।
किंवदन्ती जनश्रुति के दम पर,
हमने कुछ बातें कही सदा।
जन्मे थे राम कहां पर कब,
जनमत का मत ही सही सदा।।

भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद बेल्जियम में

मेहुल चोकसी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पंजाब नेशनल बैंक में 13,000 करोड़ रुपए के ऋण "धोखाधड़ी" मामले में संलिप्त भगोड़ा आरोपी हीरा कारोबारी

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में 13,000 करोड़ रुपए के ऋण ''धोखाधड़ी'' मामले में संलिप्तता के आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस 13,000 करोड़ रुपए के ऋण ''धोखाधड़ी'' मामले में चोकसी के भांजे एवं हीरा व्यापारी नीरव मोदी के बाद दूसरे ''प्रमुख संदिग्ध'' के खिलाफ कार्रवाई शनिवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई।

चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए बेल्जियम गया था जिसके बाद से वह वहीं था। भारत छोड़ने के बाद से वह 2018 से एंटीगुआ में रह रहा था।

सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले ही उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस को ''हटा दिया गया'' था और तभी से भारतीय एजेंसियां उसे प्रत्यर्पण के माध्यम से भारत लाने के प्रयास में लगी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत भारतीय एजेंसियों ने 2018 और 2021 में मुंबई की एक विशेष अदालत द्वारा जारी कम से कम दो 'ओपन-एंडेड' गिरफ्तारी वारंट अपने बेल्जियम समकक्षों के साथ साझा किए हैं।

पश्चिम बंगाल के भांगर में वक्फ कानून पर हिंसा की घटनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/मुर्शिदाबाद/मालदा/भाषा। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर इलाके में सोमवार को वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ प्रदर्शन में हिंसा की घटनाएं हुईं। वहीं, पुलिस ने दावा किया कि मुर्शिदाबाद में कानून व्यवस्था की स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है।

इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों की भांगर में पुलिस के साथ झड़प हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। हिंसा के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया और कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई।

झड़पें उस वक्त शुरू हुईं जब पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को मध्य कोलकाता के रामलीला मैदान की ओर जाने से रोक दिया, जहां वे वक्फ कानून के खिलाफ रैली में शामिल होने जा रहे थे। इस रैली को आईएसएफ नेता और भांगर के विधायक नौशाद सिद्दीकी संबोधित कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार, रैली में शामिल लोगों को बसंती राजमार्ग पर भोजेरहाट के पास रोक दिया गया, जहां भांगर के साथ-साथ मिनाखान और संदेशखालि जैसे पड़ोसी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आईएसएफ कार्यकर्ता एकत्र हुए थे।

तनाव उस वक्त बढ़ गया जब भीड़ ने पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''प्रदर्शनकारियों ने कुछ पुलिस वाहनों को आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों के हमले में कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए।''

लोगों को समय पर न्याय मिले, सरकार यह सुनिश्चित करने पर काम कर रही है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रही है कि लोगों को समय पर और उनकी संतुष्टि के अनुसार न्याय मिले।

शाह ने साथ ही इस बात पर प्रकाश डाला कि मोदी सरकार ने फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रणाली का हिस्सा बना दिया है। उन्होंने अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि अपराधियों द्वारा अक्सर राज्यों और देशों की सीमाओं को लांघने के कारण फोरेंसिक विज्ञान का महत्व कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार आपराधिक न्याय प्रणाली को जन-केंद्रित और वैज्ञानिक बनाने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि न्याय मांगने वाले व्यक्ति को समय पर न्याय मिले और उसे न्याय मिलने की संतुष्टि भी मिले।''

गृहमंत्री शाह ने कहा कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने के लिए फोरेंसिक विज्ञान बहुत उपयोगी है।

धोनी और दुबे के पराक्रम से

चेन्नई सुपर किंग्स को मिली दूसरी जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/एजेन्सी। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी (नाबाद 26)के हरफनमौला प्रदर्शन और शिवम दुबे की (नाबाद 43) रनों की जूझारु पारियों की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 30वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को तीन गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शेख रशीद और रचिन रविंद्र ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। पांचवें ओवर में आवेश खान ने शेख रशीद (27) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद आठवें ओवर में एडन मारक्रम ने रचिन रविन्द्र को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। रविन्द्र ने 22 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (37) रन बनाये। इसके बाद रवि बिश्नाई ने राहुल त्रिपाठी (नौ) और रवींद्र जडेजा (सात) को अपना शिकार बना लिया। विजय शंकार (नौ) को राठी ने आउट किया। चार विकेट गवां कर संकट में फंसी चेन्नई के लिए बल्लेबाजी करने आये धोनी ने विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 11 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 26) रनों की पारी खेली।

अगर हमदर्दी है तो मुसलमान को अध्यक्ष बनाए कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार (हरियाणा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि यदि कांग्रेस को वास्तव में मुसलमानों से हमदर्दी है तो उसे किसी मुसलमान को अपना अध्यक्ष बनाना चाहिए और चुनाव में समुदाय के लोगों को 50 प्रतिशत टिकट देने चाहिए। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर तुष्टिकरण की नीति अपनाने का भी आरोप लगाया। हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखने और अयोध्या के लिए एक वाणिज्यिक उड़ान की शुरुआत के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने 2013 में वक्फ कानून में किए गए बदलावों को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होना चाहिए और संविधान भी इसका निषेध करता है, लेकिन कर्नाटक की कांग्रेस नीत सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के अधिकारों को छीनकर धर्म के आधार पर निविदाओं में आरक्षण दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति अपनाई, जिससे मुसलमानों में से केवल कुछ ''कट्टरपंथी'' ही ''खुश'' हुए, जबकि बाकी समुदाय उपेक्षित, अशिक्षित और गरीब बना रहा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की इस नीति का सबसे बड़ा सबूत 2014 के आम चुनावों से ठीक पहले वक्फ कानून में किए गए संशोधन हैं।

मोदी ने कहा, ''आजादी से लेकर 2013 तक वक्फ कानून था। लेकिन चुनाव जीतने और तुष्टिकरण तथा वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस ने 2013 के आखिर में जल्दबाजी में वक्फ कानून में संशोधन कर दिया ताकि उसे (कुछ महीने बाद 2014 में) चुनावों में वोट मिल सके।''

मोदी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा किए गए बदलाव ''बाबासाहेब का सबसे बड़ा अपमान'' हैं क्योंकि उन्होंने अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का उल्लंघन किया। उन्होंने सवाल किया, ''अगर उन्हें (कांग्रेस को) वाकई मुसलमानों से थोड़ी हमदर्दी है, तो उन्हें अपना अध्यक्ष मुस्लिम समुदाय से ही बनाना चाहिए। वे ऐसा क्यों नहीं करते?'' मोदी ने कांग्रेस से 50 प्रतिशत चुनाव टिकट मुस्लिम समुदाय के लोगों को देने को भी कहा। उन्होंने कहा, ''जीतने के बाद वे अपने विचार सामने रखेंगे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन वे (कांग्रेस) ऐसा नहीं करेंगे। वे कांग्रेस से कुछ नहीं देंगे, बल्कि नागरिकों के अधिकार छीन लेंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस का कभी भी मुसलमानों सहित किसी का भला करने का कोई इरादा नहीं रहा। उन्होंने कहा, ''यही कांग्रेस की असली सच्चाई है।'' मोदी ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास देश में लाखों हेक्टेयर जमीन है जिसका इस्तेमाल गरीबों, बेसहारा महिलाओं और बच्चों के हित में किया जा सकता था। उन्होंने कहा, ''अगर इसका ईमानदारी से इस्तेमाल किया जाता तो मुस्लिम युवाओं को पंक्चर टायर ठीक करके अपनी जिंदगी नहीं गुजारनी पड़ती।''

मोदी ने कहा, ''इससे केवल मुट्ठी भर भू-माफियाओं को फायदा हुआ। पसमांदा मुसलमानों को कोई फायदा नहीं हुआ। ये भू-माफिया दलितों, वंचितों, आदिवासियों और विधवाओं की जमीन लूट रहे थे। सैकड़ों विधवा महिलाओं ने केंद्र को पत्र लिखा और फिर इस कानून पर बहस हुई।'' उन्होंने कहा कि वक्फ कानून में संशोधन के बाद गरीबों की ऐसी लूट बंद हो जाएगी। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद आठ अप्रैल से लागू किया गया। उन्होंने कहा, ''हमने वक्फ कानून में एक और संशोधन किया है। इसके तहत, वक्फ बोर्ड अब देश में किसी भी आदिवासी की जमीन और संपत्ति को छू भी नहीं सकता है।''

रालोजपा अब भाजपा नीत राजग का हिस्सा नहीं : पशुपति पारस

पटना/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा नहीं है, क्योंकि राजग ने उनके भतीजे चिराग पासवान का साथ देने का फैसला किया है। पारस ने अपने दिवंगत भाई रामविलास पासवान द्वारा स्थापित लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) से बगावत करते हुए 2021 में रालोजपा की स्थापना की थी। उन्होंने बीआर आंबेडकर की जयंती के अवसर पर पटना में रालोजपा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी पार्टी के राजग से अलग होने की घोषणा की। इस मौके पर पारस ने रामविलास पासवान को दूसरा आंबेडकर बताते हुए उन्हें भारत रत्न से अलंकृत करने की मांग भी की। पारस ने कहा, मैं 2014 से राजग के साथ रहा हूं। लेकिन, आज मैं घोषणा करता हूं कि अब से मेरी पार्टी का राजग के साथ कोई संबंध नहीं होगा।

'प्रेक्षाध्यान और डिप्रेशन' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में प्रेक्षा प्रवाह–शांति एवं शक्ति की ओर' के अंतर्गत सोमवार को तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा 'प्रेक्षाध्यान और डिप्रेशन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। मुख्य प्रशिक्षक मंजू लुणिया का परिचय मंत्री दीपिका गोखरू ने दिया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका मंजू लुणिया ने प्रेक्षा ध्यान के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक तनाव से मुक्त होने के गुर सिखाए। डिप्रेशन को दूर करने में कायोत्सर्ग के महत्व को बताते हुए कायोत्सर्ग का प्रयोग करवाया। मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉ. अनीता गौतम ने ऑडियो के माध्यम से अच्छे और बुरे डिप्रेशन के बारे में बताते हुए कहा कि डिप्रेशन से बचने के लिए हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें ,नींद अच्छी लें। पौष्टिक आहार, निरंतर योग, प्राणायाम एवं आसानों का प्रयोग करें। प्रेक्षा प्रशिक्षिका रेखा पितलिया एवं नीता सेठिया ने भी आसन एवं प्राणायाम के प्रयोग करवाए। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने किया तथा सुनीता पींचा ने धन्यवाद दिया।

साध्वीश्री पुण्ययशा ने नगर सीमा में किया मंगल प्रवेश

तेरापंथ भवन आरआर नगर में होगा चातुर्मास

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने विहार करते हुए राजराजेश्वरीनगर के चातुर्मास हेतु बेंगलूरु नगर की सीमा में सोमवार को मंगल प्रवेश किया। साध्वीश्री पुण्ययशाजी विहार कर टी.दासरहल्ली तेरापंथ सभा भवन पहुंचीं जहां तेरापंथ सभा, युवक परिषद, महिला मण्डल के पदाधिकारीगण एवं श्रावक–श्राविकाओं ने साध्वीश्री का स्वागत किया। तेरापंथी सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने विहार की सुखसाता पूछते हुए उनका भावभीना स्वागत किया। तेयुप के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ तथा तेमम की अध्यक्षा सुमन पटावरी ने स्वागत वक्तव्य दिया। सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया तथा महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। आरआर नगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में कार्यक्रम का संयोजन किया गया।

साध्वी पुण्ययशाजी, विनीतयशाजी, बोधिप्रभाजी व वर्धमानयशाजी ने अपने विचार व्यक्त किए। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि गुरुकृपा से ही हम इतना लंबा विहार करके प्रथम बार दक्षिण भारत की यात्रा पर आए हैं। अब शहर के विभिन्न क्षेत्रों की सार संभाल करते हुए चातुर्मासार्थ राजराजेश्वरी नगर पहुंचेंगे। दासरहल्ली महिला मंडल ने मंगलाचरण एवं सभा के अध्यक्ष भगवतीलाल जैन और तेयुप के अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी ने भी स्वागत किया।

मोहन यादव ने जैन मुनियों पर हमले के आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई का भरोसा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/ नीमच/भाषा। मध्यप्रदेश के नीमच जिले में जैन मुनियों पर हमले के आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि सूबे में ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा,''मुझे जानकारी मिली है कि कुछ लोगों ने शराब पीकर जैन मुनियों के साथ दुर्व्यवहार किया था। हमने तुरंत पुलिस की टीम गठित करके सभी आरोपियों को पकड़ लिया है।'' उन्होंने कहा कि घटना के आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ऐसी किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं करेगी।

पुलिस ने बताया कि नीमच जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र में धन नहीं दिये जाने पर रविवार और सोमवार की दरमियानी रात तीन जैन मुनियों पर लाठी और धारदार हथियारों से हमला करने के आरोप में एक नाबालिग लड़के समेत छह लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपी राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। चित्तौड़गढ़, नीमच के नजदीक है। सिंगोली थाने के प्रभारी निरीक्षक भूरालाल भाभर ने संवाददाताओं को बताया,''जैन मुनि शैलेश मुनि जी, बलभद्र मुनि जी और मुनींद्र मुनि जी हनुमान मंदिर में विश्राम करने के लिए रुके थे, तभी आरोपी तीन मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे और शराब पीने के बाद उन्होंने जैन मुनियों से पैसे मांगे।'' पुलिस के अनुसार तीनों जैन मुनियों के सिर और पीठ पर चोटें आईं हैं तथा उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने धार्मिक रीति–रिवाजों का हवाला देते हुए अपना इलाज कराने से इनकार कर दिया। जैन मुनियों के अनुसार सूर्यास्त के बाद ऐसा किया जाना वर्जित है। पुलिस ने बताया कि जैन मुनियों को सोमवार को सूर्योदय के बाद जैन समुदाय द्वारा संचालित चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया। इस बीच, जैन समुदाय ने मुनियों पर हमले के विरोध में सोमवार को सिंगोली कस्बे में बंद का आह्वान किया। इस दौरान कस्बे की दुकानें बंद रहीं।

जैन मुनियों पर हमला करने के आरोप में राजस्थान के छह लोग गिरफ्तार

नीमच। मध्यप्रदेश के सिंगोली कस्बे में पैसे न दिये जाने पर रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात तीन जैन मुनियों पर लाठी और धारदार हथियारों से हमला करने के आरोप में एक नाबालिग लड़के समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी गणपत नायक, गोपाल भोई, कन्हैया लाल, राजू भोई, बाबू शर्मा और नाबालिग राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। चित्तौड़गढ़ नीमच के नजदीक है।

सिंगोली थाने के प्रभारी निरीक्षक भूरा लाल भाभर ने संवाददाताओं को बताया, जैन मुनि शैलेश मुनि जी, बलभद्र मुनि जी और मुनींद्र मुनि जी हनुमान मंदिर में विश्राम करने के लिए रुके थे, तभी आरोपी तीन मोटरसाइकिलों से वहां पहुंचे और शराब पीने के बाद उन्होंने उनसे (जैन मुनियों से) पैसे मांगे। पुलिस के अनुसार, तीनों जैन मुनियों के सिर और पीठ पर चोटें आईं हैं तथा उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने धार्मिक रीति–रिवाजों का हवाला देते हुए इलाज कराने से इनकार कर दिया।

श्रीराम कथा प्रचार के लिए संपर्क अभियान चलाएगा श्रीराम परिवार

पैलेस ग्राउंड पर कथावाचक रामभद्राचार्य महाराज द्वारा होगी कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा बेंगलूरु में पहली बार आगामी 9 जून से नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेज श्राइन सभागार में किया जा रहा है। इस कथा में पद्मविभूषण से सम्मानित प्रज्ञाचक्षु संतश्री तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज कथा का श्रवण करवाएंगे। कथा की तैयारियों के सिलसिले में रविवार को प्रिंसेज श्राइन सभागार में तैयारी बैठक में मुख्य यजमान, सह यजमान, दैनिक यजमान एवं उत्सव यजमान बनाने, आयोजन एवं स्वागत समिति सहित विभिन्न समितियों के गठन तथा जनसंपर्क अभियान चलाकर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं/संगठनों तथा सर्व समाज के सनातन धर्मप्रेमियों को जोड़ने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक विमर्श हुआ।

सचिव अजयप्रकाश पाण्डेय ने बताया कि संस्थापक संजय शुक्ला की अध्यक्षता में सनातन जागरण के इस अभियान में सबके सहयोग से इस कथा आयोजन को सम्पन्न किया जाए, ऐसा निर्णय लिया गया। इसके लिए संपर्क अभियान तेज किया जाएगा। बैठक में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व सुझाव भी रखे। बैठक में शोभा भल्ला ने एकदिवसीय उत्सव यजमान तथा विजयलक्ष्मी रेड्डी ने आरती यजमान बनने की घोषणा की। संजय शुक्ला, सत्यदेव पाण्डेय, मनीषा अग्रवाल एवं अंजू पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक में उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी, सहसचिव राजीव शुक्ला, रोहित उपाध्याय, जय माँ दुर्गा पूजा समिति कामाक्षीपाल्या के मणिकांत झा, सुनील ठाकुर, मनोज पंडित, भारतीय जनसेवा संगठन के संजय शर्मा, मुकेश कोपरी तथा सीरवी समाज के सुरेश सीरवी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के खिलाफ आवाज उठाने वाले शंकरन नायर को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यमुनानगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को केरल में जन्मे अधिवक्ता सी शंकरन नायर को याद किया और अमृतसर में 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड को लेकर ब्रिटिश साम्राज्य से भिड़ने के लिए उनकी सराहना की।

दीनबंधु छोटूराम ताप विद्युत संयंत्र में 800 मेगावाट के 'अल्ट्रा–सुपरक्रिटिकल' ताप विद्युत संयंत्र की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से नायर के योगदान के बारे में जानने का आग्रह किया। उनकी यह टिप्पणी इस महीने के अंत में नायर के जीवन पर आधारित फिल्म 'केसरी–2' की रिलीज होने से पहले आई है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में जलियांवाला बाग हत्याकांड का उल्लेख किया और कहा कि अंग्रेजों की क्रूरता के कारण मरने वालों के अलावा एक पहलू ऐसा भी था, जिसे अंधेरे में रखा गया। उन्होंने कहा, ''यह पहलू मानवता की भावना और देश के साथ खड़े होने से जुड़ा है। उनका नाम शंकरन नायर था।'' मोदी ने उपस्थित लोगों से कहा, ''आप में से किसी ने भी उनका नाम नहीं सुना होगा। लेकिन इन दिनों, उनके बारे में बहुत चर्चा हो रही है। नायर जी एक प्रसिद्ध वकील थे और तत्कालीन ब्रिटिश सरकार में उनका पद बहुत ऊंचा था। वह सत्ता और सभी सुख–सुविधाओं का आनंद ले सकते थे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि लेकिन नायर ने जलियांवाला बाग हत्याकांड से आहत होकर ब्रिटिश हुकूमत की क्रूरता के खिलाफ आवाज उठाने का फैसला किया। मोदी ने कहा, ''उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई और अपना पद छोड़ दिया। वह केरल के थे और घटना पंजाब में हुई थी। उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड पर मुकदमा लड़ने का फैसला किया। उन्होंने लड़ाई लड़ी और ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर ब्रिटिश सरकार को अदालत में भी घसीटा।

उन्होंने कहा, ''यह न केवल मानवता के साथ खड़े होने का मामला था, बल्कि यह 'एक भारत और श्रेष्ठ भारत' का भी एक बेहतरीन उदाहरण था। कैसे केरल के एक व्यक्ति ने पंजाब में हुई एक घटना में ब्रिटिश साम्राज्य का सामना किया। ऐसी भावना हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम के पीछे की असली प्रेरणा थी। यह हमारी 'विकसित भारत' यात्रा की सबसे बड़ी ताकत है।''

भाजपा मजबूरी में अंबेडकर के आगे झुकती है : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बी आर अंबेडकर के सामने ''मजबूरी में'' झुकती है, लेकिन उनके आदर्शों को बरकरार रखने में विफल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल की इस टिप्पणी पर भाजपा की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में यहां आप मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा, ''हम अपनी पार्टी और सरकार चलाते समय बाबा साहब के रास्ते पर चलने की कोशिश करते हैं। आज कई पार्टियां और नेता उन्हें केवल दिखावे के लिए याद करते हैं, वे उनके आदर्शों का पालन नहीं करते। उदाहरण के लिए, कोई भी अन्य पार्टी शिक्षा को प्राथमिकता नहीं देती, जो उनके मूल सिद्धांतों में से एक था।'' उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली की भाजपा नीत सरकार सरकारी स्कूलों में पिछली आप सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं को रोककर अंबेडकर के दृष्टिकोण के खिलाफ काम कर रही है। केजरीवाल ने दावा किया, ''मुझे एक भाजपा शासित राज्य का नाम बताइए जहां शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम हुआ हो। पहले मैं सोचता था कि उनमें शिक्षा में सुधार करने की क्षमता नहीं है, लेकिन अब मुझे यकीन हो गया है कि वे ऐसा करना ही नहीं चाहते। वे मजबूरी में बाबा साहब के सामने झुकते हैं। वे उन्हें पसंद नहीं करते, क्योंकि उन्होंने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के लिए लड़ाई लड़ी थी, जिसका कई लोगों ने विरोध किया था।''

रेदासानी बॉक्स क्रिकेट कप सीजन 3 के लिए हुआ खिलाड़ियों का ऑक्शन

ब्यावर संघ युवा शाखा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा बीएसपीएल तीसरे सीजन के रेदासनी बॉक्स क्रिकेट' प्रतियोगिता के खिलाड़ियों का ऑक्शन सम्पन्न हुआ। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी 12 टीमों के प्रायोजकों और टीम ओनर्स व 120 खिलाड़ियों का स्वागत किया। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने प्रतियोगिता की रूपरेखा बताई। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, महामंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, लेडीज विंग की संयोजिका कंचन छाजेड़, जिया हिंगड़ और युवा शाखा के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन से किया। उपाध्यक्ष विकास खटोड़, सज्जनराज कोठारी, महिला विंग की चन्द्रकला डाकलिया, संगीता पारख ने विनर और रनर अप ट्रॉफी का अनावरण किया। सहमंत्री नरेश बोहरा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के मुख्य कप प्रायोजक संतोष देवी, चेतनकुमार–रश्मि रेदासानी परिवार व भोजन प्रायोजक जयप्रकाश प्रभावती मकाना परिवार है। सभी खिलाड़ियों के लिए टी–शर्ट प्रायोजक सज्जनराज अमितकुमार शीतलकुमार कोठारी, कैप प्रायोजक गुमानमल पदमचंद बोहरा, किट प्रायोजक इंद्रादेवी सुरेंद्रकुमार गोलेच्छा, टॉस का बॉस सुनीलकुमार शुभमकुमार छाजेड़, एनर्जी ड्रिंक प्रायोजक नोरतमल, धीरज नाहर, बुल्स आइ प्रायोजक राकेश रिंकू बाफना हैं।

इस टूर्नामेंट में पंजाबी तड़का, रांका'स बॉलर ऑन स्ट्राइक, कुमट वारियर्स, तनिष्का'स तूफ़ान, मणिधारी स्टोन्स, कोठारी'स एलजीसी चैलेंजर्स, एक्युरेट चैलेंजर्स, माँ क्रिएशन्स, दिनेश एसोसिएट्स वॉरियर्स, तातेड़–11, अपोलो–11, मयूर कम्प्यूटर मार्बल्स टीम भाग ले रही हैं। खेल समिति के यश रांका, अंजन मेहता और रोशन लोढ़ा ने कार्यक्रम का संयोजन किया। शाखा के अन्य सदस्यों ने विभिन्न व्यवस्थाओं को संभाला।

भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं ट्रंप के शुल्क: स्कोडा एमडी

मुंबई/भाषा। वाहन विनिर्माता स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने सोमवार को कहा कि वह ट्रंप प्रशासन के जवाबी शुल्क का समर्थन नहीं करती है लेकिन इस कदम से लंबी अवधि में उद्योगों के लिए नये अवसर खुल सकते हैं। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने उन देशों को जवाबी शुल्क से 90 दिनों की राहत दी है, जिन्होंने अमेरिकी कार्यवाही के जवाब में कोई कदम नहीं उठाया था।

स्कोडा ऑटो भारत में पूरी तरह तैयार इकाई (सीबीयू) के रूप में कारों के आयात से संबंधित कथित सीमा शुल्क धोखाधड़ी के लिए 11,000 करोड़ रुपए के कारण बताओ नोटिस का सामना कर रही है। इस बीच, कंपनी ने 49 लाख रुपए की शुरुआती कीमत पर नई फॉक्सवैगन टिगुआन आर लाइन को पेश किया।

इस मौके पर स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक पीयूष अरोड़ा ने यहां पीटीआई–भाषा से कहा, ''बेशक, हम जवाबी शुल्क का समर्थन नहीं करते हैं, लेकिन साथ ही द्विपक्षीय व्यापार या मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के जरिये भारत में भी अर्थव्यवस्था को खोलने के बारे में बहुत सारी चर्चाएं हो रही हैं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समूह हमेशा मुक्त व्यापार और ग्राहकों तथा उनके लाभों के लिए देशों के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में विश्वास करता है।

गुजरात में गोद लिए गांवों में परियोजनाओं की प्रगति से खुश हूं : जयशंकर

राजपीपला (गुजरात)/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को गुजरात के आदिवासी बहुल नर्मदा जिले में गोद लिए गए गांवों में शुरू की गईं विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की।

जयशंकर का सोमवार से गुजरात का तीन दिवसीय दौरा शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) के तहत नर्मदा जिले के विभिन्न तालुकों में अपने द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गांवों का दौरा किया। वह गांवों का निरीक्षण करने और विकास परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए नर्मदा में दो दिन बिताएंगे। सोमवार को उन्होंने जेतपुर में महिलाओं के लिए प्रसव एवं प्रसूति पुनर्वास परिसर का भूमिपूजन किया, कोलवन और सागई में इसी प्रकार के केंद्रों की आधारशिला रखी तथा गरुड़ेश्वर के लिए एमपीएलएडी योजना के तहत एक नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई।

विपक्ष ने अंबेडकर के नाम का इस्तेमाल सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए किया: भाजपा मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने सोमवार को विपक्ष पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत या उनके द्वारा निर्धारित संवैधानिक ढांचे का सम्मान किए बिना राजनीतिक लाभ के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। कुमार ने डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर 'पीटीआई वीडियो' से बात करते हुए ने कहा, विपक्ष ने जीवन भर केवल बाबासाहब के नाम का इस्तेमाल किया है। उन्होंने न तो उनका दर्द साझा किया और न ही उनकी विरासत से जुड़े स्थानों को विकसित करने के लिए काम किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा, आज वे संविधान की प्रतियां लेकर घूमते हैं, लेकिन जब वे सत्ता में थे, तो उन्होंने कई बार इसका उल्लंघन किया। उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए संविधान संशोधन के माध्यम से आपातकाल भी लगाया। पचास प्रतिशत आरक्षण सीमा पर बहस पर कुमार ने कहा, इंदिरा साहनी मामले में 50 प्रतिशत की सीमा उच्चतम न्यायालय ने तय की थी। वे (विपक्ष) जो चाहें कह सकते हैं, आप किसी को बयान देने से नहीं रोक सकते। लेकिन राय देना एक बात है और उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करना पूरी तरह से अलग बात है।

जय महावीर डायलेसिस सेंटर ने किया लाभार्थियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के हलसूर स्थित कर्नाटक जैन रिलीफ फाउंडेशन के जय महावीर डायलेसिस सेंटर में विभिन्न लाभार्थियों का सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि यह सेंटर पिछले तीन वर्षों से प्रतिदिन 25 से 30 ज़रूरतमंदों की रियायती दामों पर डायलेसिस कर रहा है। इस मौके पर डायलेसिस सेंटर में मशीनें प्रदान करने वाले दानदाताओं जयप्रकाश मकाना, ज्योति सुनील रांका, मिलापचंद भंडारी, गौतमचंद गादिया, रोटरी क्लब के विजयकुमार एवं नरेंद्रकुमार को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डायलेसिस सेवा हेतु लाइफटाइम डोनर बसन्तकुमार सुराणा, स्थानकवासी जैन संघ हलसूर से सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश व अशोक बोहरा ने किया। जवाहरलाल बोहरा ने मांगलिक प्रदान किया। तेजराज लोढ़ा ने धन्यवाद दिया।

जम्मू-कश्मीर का विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र आत्मनिर्भर केंद्र शासित प्रदेश को बढ़ावा देगा : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को इस क्षेत्र में एक निजी कंपनी की विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया और कहा कि विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र ''आत्मनिर्भर केंद्र शासित प्रदेश'' के मिशन को गति देने की ओर बढ़ रहा है। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रगतिशील औद्योगिक नीति और कुछ वर्षों में कई प्रमुख हस्तक्षेपों ने जम्मू–कश्मीर के प्रति निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है।

कठुआ जिले में सुपीरियर पॉलिमर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की विनिर्माण इकाई का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करने के बाद सिन्हा ने कहा, ''केंद्र शासित प्रदेश का विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ रहा है, और औद्योगिक विकास के

लिए समर्पित आज की परियोजना, आत्मनिर्भर जम्मू–कश्मीर के मिशन को गति देगी।'' उन्होंने कहा कि इस नई परियोजना की शुरुआत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन पर सकारात्मक प्रभाव डालने और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को बढ़ाने में मदद करेगी।

उपराज्यपाल ने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रशासन जम्मू–कश्मीर में औद्योगिक क्षेत्र की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल ने कहा, ''हमने औद्योगिक नौकरियों के लिए तैयार कार्यबल सुनिश्चित किया है। हमने कुशल कार्यबल को व्यापक बनाने के लिए समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों को सशक्त बनाया है। औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के बाद हमारे हथकरघा और हस्तशिल्प निर्यात में उछाल आया है।'' उन्होंने कहा कि प्रगतिशील औद्योगिक नीति और पिछले कुछ वर्षों में कई प्रमुख हस्तक्षेपों ने जम्मू–कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है और निजी निवेश को आकर्षित किया है।

अंबेडकर जयंती पर मुख्यमंत्री स्टालिन ने अर्पित की श्रद्धांजलि, बताया 'ज्ञान का सूर्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । देशभर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। तमिलनाडु में इस अवसर को समथुवा नाल यानी समानता दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने चेन्नई के राजा अन्नामलाई पुरम स्थित अंबेडकर मणि मंडपम पहुंचकर डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान उनके साथ डॉ. अंबेडकर के पोते और वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रमुख प्रकाश अंबेडकर भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ज्ञान की मशाल से जाति की हजार साल पुरानी गंदगी को जलाने वाले क्रांतिकारी नई दुनिया के अतुलनीय बुद्ध, कानूनी प्रतिभा अंबेडकर की जयंती, (हैशटैग) समानता दिवस! ज्ञान के सूर्य अंबेडकर अमर रहें, जो हमेशा दबे-कुचले और पिछड़े लोगों के अधिकारों को जीतने की हमारी यात्रा में हमारा मार्गदर्शन करेंगे!

'सबके लिए सब कुछ' के लक्ष्य की ओर हमारी द्रविड़ मॉडल यात्रा में, हम अंततः उस समतावादी भारत को देख सकें जिसकी बाबासाहेब ने इच्छा की थी! जयभीम! समारोह के दौरान डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और उनके चित्र पर भी श्रद्धा के साथ पुष्प चढ़ाए गए।

इसके बाद मुख्यमंत्री स्टालिन चेन्नई के सैदापेट क्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने एमसी राजा मॉडर्न कॉलेज के एक नए छात्रावास भवन का उद्घाटन किया। यह भवन छात्रों को बेहतर रहने की सुविधा प्रदान करेगा और शिक्षा के लिए एक समुचित माहौल सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री ने चेन्नई के कलैवनार इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक सरकारी समारोह में भी भाग लिया, जहां उन्होंने विभिन्न योजनाओं और विकासात्मक परियोजनाओं की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों के लिए आवास की सुविधा, शैक्षणिक संस्थानों के विस्तार, समुदायों के समग्र विकास, पढ़ाई के अनुकूल वातावरण तैयार करने और आदिवासी परिवारों के लिए आवासीय योजनाओं का उद्घाटन किया।

इस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 49,542 लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभ वितरित किया। उन्होंने इस अवसर पर एक मुख्य भाषण भी दिया, जिसमें उन्होंने डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों और उनके समाज सुधार के कार्यों को याद किया।

पुष्करमुनि पुण्यतिथि समारोह में डॉ. दिलीप धींग का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री तारक गुरु जैन ग्रंथालय, उदयपुर में पिछले दिनों उपाध्याय पुष्करमुनि की 32वीं पुण्यतिथि का आयोजन किया गया। नवकार मंत्र के सामूहिक जाप से शुरू हुए कार्यक्रम में जिनेन्द्रमुनि 'काव्यतीर्थ', साध्वी डॉ. हर्षप्रभा, साध्वी रमणिक कुँवर का सान्निध्य मिला। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग का उनके सतत साहित्य सृजन के लिए सम्मान किया।

राज्यपाल कटारिया ने पुष्करमुनि और तपस्वी केशूलालजी महाराज से जुड़े संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि वे राज्यपाल से पहले जैन श्रावक थे, आज भी श्रावक हैं और बाद में भी श्रावक रहेंगे। डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि पुष्करमुनि के गुरु ताराचंदजी महाराज बंबोरा के थे। पुष्करमुनि को गौरव था कि कवि डॉ. धींग उनके गुरु की जन्मस्थली बंबोरा के निवासी हैं। डॉ. धींग ने कहा कि पुष्करमुनि उपाध्याय थे। उपाध्याय ज्ञान का पद है। ज्ञान की आराधना करके उनकी श्रद्धार्चना की जानी चाहिए।

समारोह में पुष्कर साधना केन्द्र के महामंत्री संजय भंडारी, जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खोखावत, एडवोकेट रोशनलाल जैन, देवेन्द्र धाम की कार्याध्यक्ष रजनी डांगी, हिम्मत बड़ाला, नरेन्द्र सेठिया, समता युवा संघ (बंबोरा) के पूर्व अध्यक्ष सुरेशचंद्र धींग, पुष्पा मोदी, सुमित्रा सिंघवी, एडवोकेट अतुल शाह धींग, दिनेश चोरड़िया सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएँ उपस्थित थे। महासती सोहनकुँवर महिला समिति ने 'अपना घर आश्रम' में भोजन का वितरण एवं तारक गुरु जैन मित्र मंडल ने पक्षियों के पानी के परिण्डों का वितरण किया। ग्रंथालय के मंत्री रमेश खोखावत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

थलापति विजय ने दी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोयंबटूर। तमिलनाडु में तमिल नववर्ष (चिथिराईकनी या पुथांडु) और बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। इस अवसर पर मंदिरों में विशेष पूजा, फलों और सब्जियों से सजावट और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। तमिलगा वेत्री कझगम के अध्यक्ष थलापति विजय ने भी चेन्नई में अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी।

थलापति विजय ने चेन्नई के पलवक्कम में बाबा साहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने अंबेडकर को अपनी पार्टी का राजनीतिक प्रेरणास्रोत बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

विजय ने कहा कि अंबेडकर, पेरियार, कामराज जैसे नेता उनकी पार्टी के मार्गदर्शक हैं। पार्टी ने हर साल उनके जन्मदिन और स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि देने का संकल्प लिया है। वहीं, तमिल नववर्ष के मौके पर कोयंबटूर के प्रसिद्ध पुलियाकुलम मुंथी विनायकर मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति को दो टन फलों से सजाया गया। आम, कटहल, केला, अनार, संतरा, सेब और अन्य फलों से की गई यह सजावट देखने लायक थी। सुबह से ही भक्तों की भीड़ मंदिर में दर्शन के लिए उमड़ी। मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

हुई और भक्तों ने नए साल की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। कोयंबटूर के अन्य मंदिरों में भी तमिल नववर्ष को उत्साह के साथ मनाया गया।

इसी तरह, करूर के अन्ना नगर स्थित करपाका विनायकर मंदिर में 1500 किलो फलों और सब्जियों से भव्य सजावट की गई। बैंगन, मूंग, चुकंदर, करेला, संतरा, सेब, अनानास और अंगूर जैसी चीजों से नवग्रहों और अन्य देवताओं की आकृतियां बनाई गईं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचे और तमिल नववर्ष की खुशियां मनाईं। त्रिची में भी तमिल नववर्ष उत्सव मनाया गया। लंबी कतारों में खड़े भक्तों ने प्रार्थना की और आशीर्वाद मांगा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और यातायात कर्मियों को तैनात किया गया, जिससे व्यवस्था सुचारू रही।

तमिल नववर्ष को परिवारों ने घरों में आम, केला और कटहल की पूजा करके भी मनाया। यह पर्व नई शुरुआत और समृद्धि का प्रतीक है।

कुंभकोणम के गणपति अग्रहारम में ग्रामीणों ने पारंपरिक नाल येरु कट्टु समारोह आयोजित किया। इस दौरान अच्छी फसल और बारिश के लिए पूजा की गई। बैलों की कमी के कारण कई किसानों ने ट्रैक्टरों के साथ इस रस्म को निभाया। यह आयोजन सांस्कृतिक विरासत को आधुनिकता के साथ जोड़ने का शानदार उदाहरण था।

त्रिशूर में जंगली हाथी के हमले में 20 वर्षीय युवक की मौत

त्रिशूर/भाषा। केरल के त्रिशूर में एक वन्य क्षेत्र में जंगली हाथी के हमले में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार रात मलक्कप्पारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक आदिवासी बस्ती में उस समय हुई जब तीन युवक जंगल में शहद इकट्ठा करने जा रहे थे। मृतक की पहचान मुथुवन समुदाय के सेबेस्टियन के रूप में की गई है।

पुलिस के अनुसार, अंधेरे में जंगली हाथी को देखकर तीनों युवक भागने लगे, लेकिन इसी दौरान सेबेस्टियन गिर गया और हाथी ने उसे कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि शव को चालकुडी के सरकारी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

हाई लाइफ प्रदर्शनी में दिखेगा फैशन, डेकोर और ज्वैलरी का जलवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फैशन, स्टाइल और लग्जरी के अनूठे नज़ारों के साथ हाई लाइफ प्रदर्शनी 15 और 16 अप्रैल को चेन्नई में आयोजित होगी। यह अन्ना सलाई स्थित हयात रिजेंसी में सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी।

इस स्प्रिंग समर संस्करण में टॉप डिजाइनरों द्वारा तैयार लेटेस्ट फैशन प्रॉडक्ट्स, आकर्षक ज्वैलरी और स्टाइलिश एक्सेसरीज की रेंज प्रदर्शित होगी। चाहे आप अपने वॉर्डरोब को अपडेट करना चाहते हों या अनूठे परिधानों की तलाश में हों, यह प्रदर्शनी हर फैशनप्रेमी की पसंद को पूरा करने के लिए तैयार है। यहां आपको ब्राइडल वियर, गोल्ड और डायमंड ज्वैलरी, लहंगे, डिजाइनर साड़ियां, पार्टी वियर, कैजुअल और फॉर्मल कपड़े, मेन्स और किड्स एथनिक वियर, शॉल, स्टोल्स, फुटवियर, बैग्स, क्लच, बेड लिनन, फर्निशिंग, रग्स, कारपेट, पेंटिंग्स, म्यूरल्स, हैंडमेड सोप्स, स्पा एसेंशियल्स, हेयर और स्किन केयर प्रोडक्ट्स, स्टेशनरी, गिफ्टिंग आइटम्स, दीये, कैंडल्स, ट्रौसेउ पैकिंग और बहुत कुछ मिलेगा।

मोदीजी हमारे भाई जैसे, उन्होंने विजयकांत को राजनीतिक सहयोगी से बढ़कर देखा : प्रेमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके बड़े भाई की तरह हैं और प्रधानमंत्री, उनके पति व देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) संस्थापक 'कैप्टन' विजयकांत को हमेशा एक राजनीतिक सहयोगी से अधिक मानते थे। उन्होंने कहा कि विजयकांत न केवल तमिल सिनेमा और राजनीति में एक महान हस्ती थे, बल्कि वह ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने प्रधानमंत्री सहित कई लोगों का प्यार और सम्मान अर्जित किया।

उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदीजी ने उन्हें हमेशा एक राजनीतिक सहयोगी से कहीं अधिक माना। वह उन्हें प्यार से तमिलनाडु का शेर कहते थे और उनकी बीमारी के दौरान बड़े भाई की तरह जानकारी लेते थे। उनका रिश्ता सच्चे स्नेह और परस्पर सम्मान पर आधारित था - यह ऐसी दोस्ती थी जो राजनीति से परे थी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए प्रेमलता ने कहा कि मोदी और उनके पति दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे। वह 'कैप्टन' को उनके जन्मदिन पर बधाई देते या जब भी विजयकांत बीमार पड़ते थे तो उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछते थे। विजयकांत का 28 दिसंबर 2023 को 71 वर्ष की आयु में आयु-संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया।

प्रेमलता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोगों से जुड़ी कई बातों पर बहुत ही विनम्रता से चर्चा की और कभी ऐसा व्यवहार नहीं किया जैसे कि वह किसी उच्च पद पर बैठे हों। वह हमारे लिए भाई जैसे हैं।

केरल में पारंपरिक रीति-रिवाजों और रंगारंग तरीके से मनाया गया विशु पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरलवासियों ने सोमवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों और रंगारंग उत्सवों के साथ मलयालम नववर्ष विशु पर्व मनाया। फसल उत्सव के रूप में भी मनाया जाने वाला विशु पर्व मलयालम महीने मेदाम के पहले दिन पड़ता है। हिंदू परिवारों में लोगों ने विशु पर्व की शुरुआत सुबह जल्दी उठकर 'विशुक्कनी' देखने की परंपरा निभाकर की। इसमें पीतल के बर्तनों में रखी गई शुभ वस्तुओं को देखा जाता है, जो समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक मानी जाती हैं।

विशु पर्व पर भगवान कृष्ण की मूर्ति के सामने एक थाली सजाई जाती है। इसमें मौसमी फल, सब्जियां, फूल, चावल, सोने के आभूषण, नए कपड़े, सिक्के, और धार्मिक ग्रंथ रखे जाते हैं, जो समृद्धि और शुभ का प्रतीक माने जाते हैं। सभी प्रमुख मंदिरों, खास तौर पर भगवान कृष्ण को समर्पित मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।

विशु पर्व पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पोस्ट किया, यह नया साल सभी के जीवन में नई उम्मीदें, शांति और भरपूर खुशियां लाए। यह साल नई शुरुआत और ढेर सारी सफलता लेकर आए।

तमिल नववर्ष 'विश्ववसु' उत्साह के साथ मनाया गया

चेन्नई। तमिल नववर्ष 'विश्ववसु' सोमवार को पूरे तमिलनाडु में हर बार की तरह उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। तमिल महीने 'चिथिरई' से नये साल की शुरुआत होती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस अवसर पर लोगों को बधाई दी।

समृद्ध एवं सफल नववर्ष की प्रार्थना करने के लिए लोग चेन्नई, मदुरै और तिरुचिरापल्ली सहित अन्य जगहों पर विभिन्न प्रसिद्ध मंदिरों में पहुंचे। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'तमिल पुथांडु' (नये साल) की शुभकामनाएं देते हुए हर ओर खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा, यह नया साल खुशहाली, अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां लेकर आए। सभी को अच्छा स्वास्थ्य मिले।'' कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, ''यह नया साल आपके लिए सद्भाव, समृद्धि, अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां लेकर आए।'' तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने नववर्ष की शुभकामनाएं दी हैं। रवि ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, तमिल नववर्ष के शुभ अवसर पर मैं सभी को, खास तौर पर दुनियाभर में रहने वाले अपने तमिल भाइयों एवं बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। यह दिन हमारी गौरवशाली, प्राचीन, समृद्ध तमिल संस्कृति और विरासत, जीवंत वर्तमान और आशाजनक भविष्य का उत्सव है। उन्होंने कहा, नया साल सभी के लिए समृद्धि, अच्छा स्वास्थ्य, नयी ऊर्जा और भरपूर अवसर लेकर आए। यह अमृत काल में 2047 तक 'विकसित भारत' के लिए एक विकसित तमिलनाडु बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प को और मजबूत करे। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) के महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पडी के पलानीस्वामी ने कहा, ''आइए, हम सभी नये लक्ष्य हासिल करें, बाधाओं को पार करके सफलता अर्जित करें और इस तमिल नववर्ष पर तमिलनाडु को समृद्ध बनाएं।'' अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) नेता टीटीवी दिनाकरन, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) प्रमुख वाइको, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) नेता अंबुमणि रामदास और निष्कासित अन्नाद्रमुक नेता ओ पनीरसेल्वम ने भी तमिल नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

केरल के मंत्री ने अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकों के लिए हिंदी शीर्षक का उपयोग करने के फैसले की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने एनसीईआरटी द्वारा अंग्रेजी माध्यम की पाठ्यपुस्तकों के लिए हिंदी शीर्षक का उपयोग करने के कथित निर्णय की सोमवार को आलोचना की और इसे गंभीर तर्कहीनता बताया। उन्होंने इसे संस्कृति को थोपना बताया जो भारत की भाषाई विविधता को कमजोर करता है।

शिवनकुट्टी ने तर्क दिया कि छात्रों में संवेदनशीलता और समझ को बढ़ावा देने वाले लंबे समय से चले आ रहे अंग्रेजी शीर्षकों को 'मृदंगम' और 'संतूर' जैसे हिंदी शीर्षकों से बदलना अनुचित है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन भाषाई विविधता को संरक्षित करने और क्षेत्रीय सांस्कृतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देने की केरल की प्रतिबद्धता के विपरीत है। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) का निर्णय संघीय सिद्धांतों और संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि पाठ्यपुस्तकों के शीर्षक केवल लेबल नहीं होते; वे छात्रों की धारणाओं और कल्पना को आकार देते हैं। इसलिए, अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अपनी पाठ्यपुस्तकों में अंग्रेजी शीर्षक अवश्य रखने चाहिए।

मंत्री ने एनसीईआरटी से इस निर्णय की समीक्षा करने और इसे वापस लेने का आह्वान किया तथा सभी राज्यों से इस प्रकार इसे थोपे जाने के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया।

शिवनकुट्टी ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा को सशक्तीकरण और आम सहमति का साधन होना चाहिए, न कि थोपने का साधन।

ईसाई पादरी पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण का आरोप, गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर पुलिस ने एक ईसाई पादरी जॉन जेबराज (32) को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया है। जॉन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। वह कोयंबटूर के क्रॉसकट रोड स्थित किंग जेनरेशन चर्च में पादरी के रूप में कार्यरत था और केरल में भी धर्मोपदेश देता था।

पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब पीड़ित लड़कियों के माता-पिता ने कोयंबटूर सेंट्रल ऑल विमेन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। शिकायत में कहा गया कि जॉन ने लगभग 11 महीने पहले कोयंबटूर के जी.एन. मिल्स इलाके में अपने घर पर आयोजित एक समारोह के दौरान 17 वर्षीय और 14 वर्षीय दो लड़कियों का यौन शोषण किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और जॉन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। जॉन की तलाश के लिए पुलिस ने एक विशेष बल का गठन किया। जांच के दौरान पता चला कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए तमिलनाडु-केरल सीमा पर मुन्नार इलाके में छिपा हुआ था। विशेष पुलिस बल ने रविवार सुबह उसे मुन्नार से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे कोयंबटूर लाया गया, जहां महिला पुलिस थाने में उससे पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद उसे अदालत में पेश किया गया।

यह घटना कोयंबटूर में चर्चा का विषय बन गई है। स्थानीय लोग बेहद नाराज हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और पीड़ित लड़कियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि क्या जॉन ने अन्य किसी घटना को अंजाम दिया है।

भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन अवसरवादी नहीं, हमारा संकल्प द्रमुक को हराना : पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और पूर्व राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु में उनकी पार्टी और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के बीच गठबंधन अवसरवादी नहीं बल्कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से बाहर करने का एक समझौता है। उन्होंने कहा कि गठबंधन के माध्यम से दोनों दलों ने जनविरोधी' द्रमुक को सत्ता से बाहर करने का संकल्प लिया है।

तमिलिसाई ने मीडिया से पूछा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन हमारे गठबंधन को अवसरवादी गठबंधन कहते हैं। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन अवसरवादी नहीं है, जो श्रीलंका में ईलम युद्ध के अंतिम चरण में कई लाख तमिलों की हत्याओं को रोकने में विफल रही? मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने

11 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा घोषित गठबंधन में भाजपा-अन्नाद्रमुक के समझौते की वैचारिक स्पष्टता का अभाव करार देते हुए गठबंधन की आलोचना की थी, जिसपर तमिलिसाई जवाब दे रही थीं। अन्नाद्रमुक महासचिव ई.के. पलानीस्वामी ने पहले ही इस आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि यह गठबंधन तमिलनाडु की प्रगति और समृद्धि के लिए एक साझा दृष्टिकोण पर बनाया गया है। पूर्व राज्यपाल ने कहा कि अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा का चुनावी गठबंधन द्रमुक की तरह अवसरवादी नहीं बल्कि सत्तारूढ़ सरकार को हराने का अवसर बनाने के लिए बनाया गया है। उन्होंने द्रमुक पर जन-विरोधी, महिला-विरोधी, दलित-विरोधी और पूरी तरह से तमिलनाडु के लोगों के विरोधी' होने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा, राज्य में कमल दो पत्तियों के साथ खिलेगा। उन्होंने अभिनेता से राजनेता बने टीवीके नेता विजय की खिल्ली उड़ाई और कहा कि शायद टीवीके उपविजेता बनकर दौड़ पूरी करने में सफल हो जाएं। विजय ने कहा था कि 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव का मुकाबला केवल द्रमुक और उनकी पार्टी के बीच है।

समाज के सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। बाबा साहब ने अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने चार जातियों युवा, महिला, किसान और मजदूर के सशक्तीकरण के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं और प्रदेश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने सबसे बड़ा संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेद-भाव रहित समाज का मार्ग दिखाया है। शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तीकरण तथा श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दुनिया उनके सामाजिक दर्शन और कानूनी ज्ञान का लोहा मानती है और उन्हें सिंबल ऑफ नॉलेज भी कहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना शुरू की जा रही है। इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों में आधारभूत संरचना एवं विकास के कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे। इसके लिए 250 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवपीढ़ी को डॉ. साहब के योगदान से परिचित कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों जन्म भूमि (महू), दीक्षा भूमि (नागपुर), महापरिनिर्वाण भूमि (दिल्ली), चैत्य भूमि (मुंबई) और शिक्षा भूमि (लंदन) को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है। साथ ही, उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। शर्मा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनकी इसी भावना को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री की पहल पर संविधान संशोधन किया गया और लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर जब जीवित थे, तब उन्हें कोई सम्मान नहीं दिया गया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सवा साल के कार्यकाल में कुल सवा सात लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा है। प्रदेश में आज 91 लाख से ज्यादा लोग पेंशन पा रहे हैं। साथ ही, हमने पेंशन राशि 1,000 से बढ़ाकर अब 1,250 रुपए प्रतिमाह की है। बेसहारा और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत हर महीने 2 हजार 500 रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। वहीं सरकार विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदाय के कल्याण के लिए दादूदयाल घुमंतू सशक्तीकरण योजना के माध्यम से 60 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। शर्मा ने दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की। इस योजना के अंतर्गत 18 वर्ष तक के बच्चों को 56 दुर्लभ बीमारियों के लिए 50 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां बाबा साहब के आदर्शों को जाने-समझें और प्रेरणा लें। इसी क्रम में आज डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के तहत अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज एंड रिसर्च की शुरुआत की गई है।

भजनलाल ने भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को यहां संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डा भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर नमन किया। इस अवसर पर शर्मा ने अम्बेडकर सर्किल स्थित डा अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, पूर्व मंत्री एवं विधायक कालीचरण सराफ, नगर निगम ग्रेजर जयपुर की महापौर सौम्या गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौज़ूद थे। इससे पहले शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पर डा अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस : साहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस सोलह अप्रैल को समारोहपूर्वक पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया जायेगा। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने बताया कि राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस बुधवार को राज्य स्तर, रेंज, जिला, यूनिट, प्रशिक्षण संस्थान स्तर पर हर वर्ष की भांति धूमधाम से मनाया जाएगा। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन राजस्थान पुलिस अकादमी में किया जायेगा। साहू ने बताया कि राज्य स्तरीय समारोह की श्रंखला में मंगलवार को बच्चों की क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिनके विजेता एवं उनके अभिभावकों को बुधवार को मुख्य समारोह में आमंत्रित किया जायेगा। 15 एवं 16 अप्रैल को सभी पुलिस कार्यालयों एवं परिसरों में सफाई एवं पौधारोपण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि चयनित थानों में स्कूल के बच्चों का भ्रमण एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर, पुलिस लाईन आयुक्तालय, जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण पुलिस लाईन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में जयपुर स्थित पुलिस कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों एवं स्वयंसेवकों के द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान किया जाए। साहू ने बताया कि राज्य में रेंज मुख्यालय, जिला, यूनिट एवं प्रशिक्षण संस्थान में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के कार्यक्रम के तहत मंगलवार एवं बुधवार को स्वच्छता कार्यक्रम, पौधारोपण, रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा।

इसके तहत रेंज एवं जिला पुलिस के सभी कार्यालयों, पुलिस लाईन्स, पुलिस थानों, पुलिस चौकियों में साफ-सफाई एवं पौधारोपण किया जाना है। इस दौरान जिला पुलिस लाईनों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाए। मंगलवार की संध्या पर जिला पुलिस लाईन, आरएसी बटालियन मुख्यालय एवं प्रशिक्षण संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसके अन्तर्गत खेलकूद, वाद-विवाद, कविता वाचन, नृत्य प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए पुलिस कार्मिकों के परिवारजनों को भी आमन्त्रित किया जायेगा। इस समारोह में पुलिसकार्मिकों के बच्चे, जिन्होंने खेलकूद, पढाई एवं अन्य गतिविधि में अच्छा योगदान एवं प्रदर्शन किया है।

संविधान की मूल भावना की हो रही है अवेहलना : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने संविधान निर्माता डा भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को आज पहले से अधिक प्रासंगिक बताते हुए कहा है कि इसकी मूल भावना का आदर करना प्रत्येक नागरिक एवं विशेष रुप से प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी हैं लेकिन दुर्भाग्यवश देश में जो हालात निर्मित हुए है आज सिर्फ अंबेडकर मूर्ति पर फूल मालाए तो चढ़ रही हैं मगर संविधान की मूल भावना की अवेहलना की जा रही हैं। पायलट ने सोमवार को यहां डा अंबेडकर जयंती पर आयोजित समारोह में शामिल होने के अवसर पर मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि डा अंबेडकर जयंती के मौके पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया गया।

डा अंबेडकर जिस संविधान का निर्माण करके गये, वह संविधान आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। संविधान की मूल भावना का आदर करना प्रत्येक नागरिक एवं विशेष रुप से प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी हैं लेकिन दुर्भागयवश देश में जो हालात निर्मित हुए है आज सिर्फ अंबेडकर मूर्ति पर फूल मालाए चढ़ रही हैं मगर संविधान की जो मूल भावना है, उसकी अवेहलना हो रही हैं। जो वंचित वर्ग एवं शोषित, आदिवासी सबको अलग तरह के माहौल में जीने को विवश आज व्यवस्था ने कर रखा हैं।

उन्होंने कहा कि जिन संवैधानिक संस्थाओं को 70 सालों से अलग अलग सरकारों ने पोषित किया है, वर्तमान सरकार चाहे केन्द्र की हो या राज्य की सरकार, इन संस्थाओं को खोखला एवं कमजोर करने का काम किया गया हैं और यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। अगर डा अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो संविधान का सम्मान हो, सिर्फ भाषण नहीं दिया जाये और अपनी कार्यप्रणाली में सरकार के माध्यम से न्याय पहुंचे। आज दलितों एवं वंचित वर्ग के साथ जानबूझकर प्रताड़ना की जा रही है। असामाजिक तत्वों को छूट मिल रही हैं और उनके हौसले बुलंद क्यों है, देश में अनेक घटनाएं घट रही है जिसकी कोई जवाबदेही तय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य दोनों सरकारों को डा अंबेडकर के बताये रास्ते पर चलना चाहिए। एक सवाल के जवाब में पायलट ने कहा कि यह सही बात है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को केवल उनके क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए और उन्हें प्रदेश में दौरे कर पूरे प्रदेश को लाभ पहुंचाने का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि श्रीमती राजे ने राज्य सरकार की पोल खोल दी और उन्होंने सरकार के काम करने के तरीके को कटघरे में खड़ा कर दिया हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार का काम केवल जुमलेबाजी रह गया और मंत्रियों में खींचतान हो रही हैं तथा अफसरशाही हावी हो रही है। प्रदेश में राजनीतिक व्यवस्था को अपने पक्ष करने के लिए जानबूझकर परिसीमन किया जा रहा है। यह वोट को देखकर किया जा रहा है जो गलत हैं और यह संविधान की भावना के विपरीत हैं जिसका हम विरोध कर रहे हैं। पायलट ने वक्फ संशोधित बिल पर कहा कि यह जनता का ध्यान भटकाने के लिए बनाया गया हैं। अमरीका ने टैरिफ लगा दिया है, देश में अर्थ व्यवस्था के जो हाल हो गए हैं, ऐतिहासिक रिण देश के ऊपर हैं, इन पर से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सरकार हमेशा करती आई हैं लेकिन इससे कोई लाभ होने वाला नहीं हैं।

अंबेडकर के आदर्शों को जन जन को अपनाने की आवश्यकता : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि की और कहा कि उनके आदर्शों को जन जन को अपनाने की आवश्यकता हैं। इस अवसर पर बागड़े ने सोमवार को अम्बेडकर सर्किल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने इस अवसर पर संविधान निर्माण के उनके महती योगदान के साथ वंचित वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उनके कार्यों को अनुकरणीय बताया।

उन्होंने कहा कि संविधान के जरिए देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, प्रतिष्ठा और अवसर की समता और बंधुत्व का मंत्र देने वाले डा अम्बेडकर के आदर्शों को जन जन को अपनाने की आवश्यकता है।

बाबा साहब ने देश में लोकतंत्र को मजबूत करने की व्यवस्था की : भूपेन्द्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को यहां कहा कि 'भारत रत्न' बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने देश का संविधान ही नहीं लिखा, बल्कि देश में लोकतंत्र को मजबूत करने की पूरी व्यवस्था भी की । यादव राजस्थान के शहर अलवर में अम्बेडकर जयंती के अवसर पर बाबा भीमराव अम्बेडकर के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान, उन्होंने पत्रकारों से कहा, कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब के साथ षड्यंत्र किया। उनको चुनाव में हरवाया। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि बाबा साहब लोक सभा में पहुंचें। कांग्रेस ने उनके स्मारकों की भी उपेक्षा की।

चाहें, वह महू में जन्मस्थली हो, इंग्लैंड में शिक्षा का स्थान हो, नागपुर में दीक्षा का हो या दिल्ली में महापरिनिर्वाण स्थल हो। कांग्रेस ने हमेशा उन्हें उपेक्षित रखा। यादव ने कहा, अगर बाबा साहब अम्बेडकर को सम्मान देने का काम किया है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है, जब देश से कांग्रेस की सरकार गई, तब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण दिया गया और तभी बाबा साहब अम्बेडकर जी को 'भारत रत्न' दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दलित और पिछड़ों के लिए कुछ नहीं किया, उनकी उपेक्षा की। कांग्रेस तो सिर्फ राजनीति करती है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) काम करती है।

इससे पहले, यादव ने अलवर के खुदानपुरी स्थित अम्बेडकर बालिका छात्रावास के विस्तार के लिये सांसद निधि से 50 लाख रुपये देने की घोषणा की और कहा कि इससे यहां दलित बालिकाओं को अच्छे रहन-सहन और पढ़ाई का वातावरण मिलेगा। उन्होंने अम्बेडकर छात्रावास की पुस्तकालय को ई-पुस्तकालय में बदलने की भी घोषणा की। बाद में, वह अम्बेडकर सर्किल पहुंचे जहां उन्होंने बाबा साहब अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण करके श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

वक्फ संपत्तियों का पात्रों को नहीं मिल रहा था लाभ, इसलिए सरकार ने किया हस्तक्षेप : शेखावत

जोधपुर/दक्षिण भारत। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर स्पष्ट करते हुए कहा है कि वक्फ को दान की संपत्तियों को मुतवल्लियों और तथाकथित धर्म के पैरोकारों ने अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए दुरुपयोग किया, इसलिए सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा। शेखावत ने सोमवार को यहां प्रेसवार्ता में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वक्फ के दुरुपयोग के कारण साधारण मुसलमान, जिसके कल्याण के लिए, जिस संपत्ति का नियोजन किया गया था, वो नहीं हो पाया। वक्फ संशोधन कानून से अब वक्फ की संपत्ति, जो उसके पात्र हैं, उन्हीं के लिए उपयोग में आएगी। उन्होंने कहा कि आज देश में सबसे ज्यादा संपत्ति अगर किसी के पास है तो वो वक्फ बोर्ड के पास में है, जिसका ठीक लाभ पात्रों को मिलना चाहिए लेकिन वो नहीं मिल पा रहा था। इसलिए सरकार कानून लेकर आई। एक सवाल के जवाब में शेखावत ने कहा कि भारत का संविधान जहां एक तरफ यह कहता है कि सभी नागरिक समान हैं वहीं उसी संविधान में अल्पसंख्यकों और कुछ सजातीय समूहों के लिए अलग-अलग प्रबंध भी किए गए हैं।

वक्फ उसी का हिस्सा है लेकिन बाबा साहेब ने संविधान को जीवंत रूप में बनाया ताकि बदलते हुए समय के परिपेक्ष्य में उसमें बदलाव किए जा सकें। उन्होंने कहा कि अभी शुरुआत हुई है। वक्फ के कानून में संशोधन हुआ है। ट्रिपल तलाक समाप्त हुआ है। देखते जाइए, थोड़े दिन बाद में देश के सभी लोगों की आशा के अनुरूप ऐसे बदलाव देखने को मिलेंगे। मंदिरों की संपत्ति से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि अधिकांश मंदिर राज्य सरकारों की संपत्ति और संपदा हैं।

विभिन्न राज्य सरकारों ने मंदिरों के प्रबंधन के लिए देवस्थान बोर्ड की व्यवस्था की है। अपने राजस्थान में भी लगभग सभी मंदिरों का प्रबंध मोटे तौर पर देवस्थान विभाग के पास है। केवल कुछ मंदिर, जो या तो पारिवारिक ट्रस्ट का मंदिर है या रामदेवरा का मंदिर एकदम अलग है, क्योंकि वह मंदिर नहीं है, समाधि स्थल है।

न आकांक्षाओं की पूर्ति ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु है। शर्मा ने सोमवार को यहां मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडों के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने सुबह जनसुनवाई की और इस दौरान अपनी शिकायत एवं समस्या लेकर आये प्रत्येक व्यक्ति की परिवेदना को सुना तथा अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी तथा उनका मौके पर ही निस्तारण कर परिवादियों को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन मौजूद थे।

बोहाग बिहू के अवसर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने जनता को बधाई दी

गुवाहाटी/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम के लोगों को बोहाग बिहू के अवसर पर बधाई दीं। बोहाग माह के पहले दिन से शुरू होने वाला 'रोंगाली बिहू' असमिया नववर्ष का प्रतीक है और पूरे राज्य में इस अवसर पर उत्सव का माहौल है। यह पर्व बोहाग के पूरे महीने में मनाया जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भारत और विदेशों में बसे सभी भारतीयों को बोहाग बिहू के साथ-साथ बैसाखी, विशु, पोइला बोइशाख, मेशादी, वैसाखड़ी और पुथांडु पिरापु की भी बधाई दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच में अपने पोस्ट में लिखा, ''आप सभी को बोहाग बिहू की ढेरों शुभकामनाएं! यह नववर्ष आपके जीवन में नई शुरुआत, खुशहाली और समृद्धि लेकर आए। सभी की अच्छी सेहत और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करता हूं।'' गृह मंत्री अमित शाह ने भी 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, ''ब्रह्मपुत्र के तट पर असमिया नववर्ष के स्वागत की यह खुशी, सबके लिए समृद्धि और कल्याण लेकर आए।'' असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'गरु बिहू' से उत्सव की शुरुआत लोगों के जीवन में कृषि की अहम भूमिका को दर्शाती है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने संदेश में कहा, ''इस विशेष अवसर पर हमारी जीवन रेखा, पशुधन की कुशलता और समृद्धि के लिए मेरी प्रार्थनाएं।'' उन्होंने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''आज असम 'गरु बिहू' मना रहा है। यह दिन गोमाता की पूजा को समर्पित है, जिन्हें सनातन धर्म में मातृत्व और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है।''

आज उप्र बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा है, बल्कि यह भारत के विकास इंजन के रूप में उभरा है।

यहां फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''जब हम उत्तर प्रदेश की बात करते हैं, तो भारत में सबसे अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश जैसा राज्य 'फिसड्डी' कैसे हो गया? यह कैसे बीमारू हो गया? इसके पीछे कारण होंगे। जब देश आजाद हुआ, तब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी। लेकिन, धीरे-धीरे यह कम होती गई और एक समय ऐसा आया जब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का एक तिहाई हो गई। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में देश के साथ-साथ दुनिया ने उत्तर प्रदेश को बदलते हुए देखा है।'' उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में फिक्की जैसे संगठनों का सहयोग इस बदलाव का एक प्रमुख कारण रहा है। मुख्यमंत्री ने फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और 'ईकोसिस्टम' बनाने में सरकार का साथ दिया है। उनका कहा था कि विशेष रूप से, निवेशक सम्मेलन 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है। आदित्यनाथ ने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी अपने कर्मचारियों को वेतन देने की भी स्थिति में नहीं था, आज वह 'राजस्व अधिशेष राज्य' बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और उनकी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश ने जो कदम आगे बढ़ाए हैं, उसके आप सभी साक्षी हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, ''आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा है, बल्कि राज्यों की पहली पंक्ति में खड़ा होकर तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है। यह एक ऐसा राज्य बन गया है, जिसने विकसित राज्य बनने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। आज उत्तर प्रदेश भारत के विकास इंजन के रूप में उभरा है। अब यह बीमारू राज्य नहीं रहा, यह देश की नंबर दो अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि राज्य ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने वित्तीय चुनौतियों का जिक्र करते हुए बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद किसानों की कर्ज माफी जैसे प्रस्तावों के लिए धन की कमी थी, उस समय बैंकों का सहयोग नहीं मिलता था और कर्मचारियों के वेतन के लिए भी संसाधन नहीं थे, लेकिन, सरकार ने बजट में 36 हजार करोड़ रुपए की रिसाव (लिकेज) को चिह्नित कर उसे समाप्त किया, जिससे आज उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष वाला राज्य बन गया है।

आईएनए ने 1944 में जहां फहराया था तिरंगा वहां कार्यक्रम में शामिल हुए मणिपुर के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोइरांग/भाषा। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने सोमवार को मोइरांग में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां 1944 में आज ही के दिन आईएनए ने तिरंगा फहराया था।

बिष्णुपुर जिले के मोइरांग में आईएनए शहीद स्मारक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भल्ला ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक प्रकरणों में से एक का स्मरण करना उनके लिए अत्यंत सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि मोइरांग में इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) ने जो किया वह प्रतिरोध, आशा और स्वतंत्र होने के लिए दृढ़ संकल्पित राष्ट्र की अदम्य भावना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आजादी के लिए आईएनए का प्रयास बातचीत से नहीं, बल्कि दृढ़ कार्रवाई से प्रेरित था। उन्होंने कहा, हालांकि, मोइरांग में आईएनए की उपस्थिति संक्षिप्त थी, लेकिन इसकी विरासत साहस, बलिदान और अटूट देशभक्ति की भावना से पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है।

बिहार में नीतीश के नेतृत्व में राजग अगली सरकार बनाएगी: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में अगली सरकार बनाएगा। भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने एक समारोह के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि कुमार ने 'अंबेडकर समग्र सेवा अभियान' की शुरुआत की है।

इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आदिवासियों और दलितों के लिए बनाई गई योजनाएं सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे। चौधरी ने कहा, ''बाबासाहब अंबेडकर की जयंती पर एक अभियान शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई। यह अभियान अनुसूचित जातियों और जनजातियों के प्रति उनकी गहरी चिंता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, अभियान के तहत अधिकारी उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना समेत 22 योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे। सभी पंचायतों में यह जायजा लिया जाएगा। जहां भी सभी लोगों तक लाभ नहीं पहुंचा होगा, वहां सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की उम्मीद है, जिस पर विवाद उत्पन्न हो गया था।

बंगाल : सुकांत मजूमदार ने मुर्शिदाबाद हिंसा के लिए ममता सरकार को जिम्मेदार ठहराया

मालदा/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने सोमवार को मालदा के एक स्कूल में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया। इस राहत शिविर में मुर्शिदाबाद से कई हिंदू परिवारों ने शरण ली है। मजूमदार ने विस्थापित परिवारों से मुलाकात की और बाद में प्रभावित लोगों की सहायता के लिए स्थापित विशेष नियंत्रण कक्ष का दौरा भी किया। कई महिलाएं मजूमदार को अपनी आपबीती बताते हुए कथित तौर पर रो पड़ीं।

मजूमदार ने कहा, ''उनके घरों को आग लगा दी गई, संपत्ति नष्ट कर दी गई और उन्हें जान से मारने की धमकियां दी गईं। एक महिला ने अपने चार दिन के बच्चे के साथ यहां शरण ली है।'' पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ शुक्रवार को भड़की हिंसा में तीन लोग मारे गए और कई घायल हो गए। मजूमदार ने आरोप लगाया कि 'कट्टरपंथी ताकतों' द्वारा ये हमले विरोध की आड़ में किये गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया, '' शुरुआत में 200-250 परिवारों ने यहां शरण ली थी। अब पुलिस के दबाव में शिविर बंद करवाकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नाकामी को छुपाने के लिए सिर्फ 70-75 परिवार ही बचे हैं। वे अभी भी डर के साये में जी रहे हैं। ''

हरियाणा के मुख्यमंत्री के बिहार से जुड़े बयान को जद(यू) को 'गंभीरता' से लेना चाहिए : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जद (यू) से कहा कि उसे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उस टिप्पणी को गंभीरता से लेना चाहिए जिसमें उन्होंने कथित तौर पर संकेत दिया था कि भाजपा उन्हें (नीतीश को) एक और कार्यकाल के लिये मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी।

नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं और उनका दल भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में एक प्रमुख घटक है।

यादव ने वैशाली जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर में 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में यह टिप्पणी की, जहां उनसे रविवार को दिल्ली में एक समारोह में सैनी द्वारा की गई गूढ़ टिप्पणी के बारे में पूछा गया था। सैनी बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मंच साझा कर रहे थे। उनके भाषण का एक हिस्सा समाचार चैनलों पर दिखाया जा रहा है। सैनी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हरियाणा में भाजपा को सत्ता में वापस लाने वाली हमारी विजय यात्रा बिहार में भी जारी रहनी चाहिए। मुझे यकीन है कि आगामी चुनाव सम्राट चौधरी के नेतृत्व में भाजपा जीतेगी।'' जब यादव का ध्यान इस ओर खींचा गया तो उन्होंने कहा, ''जद(यू) को इस टिप्पणी पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। सैनी भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णय का खुलासा कर दिया है, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं कर रहे हैं।''

कांग्रेस और सपा बाबासाहब की दुश्मन पार्टी हैं: केशव प्रसाद मौर्य

कौशांबी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की दुश्मन हैं। यहां दो विकास कार्यों का लोकार्पण करने आये मौर्य ने कहा, कांग्रेस ने बाबासाहब के सपनों को कुचलने का कार्य किया और उन्हें कई बार अपमानित किया है। यहां तक कि बाबासाहब को कांग्रेस सरकार से इस्तीफा तक देना पड़ा था। उपमुख्यमंत्री ने कहा, जहां सपा ने कन्नौज में बाबासाहब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम ही बदल दिया, वहीं, बसपा ने बाबासाहब के नाम पर बस वोट लिया और राज किया। जिनके (दलितों) लिए उसे कुछ करना था उनके लिए उसने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो बाबासाहब के पंचतीर्थों को बनाते हुए उनके संकल्पों को पूरा कर रही है। मौर्य ने भरवारी नगर पालिका परिषद के रसूलपुर गिरछा चौराहे पर बाबासाहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया और भरवारी नगर पालिका परिषद के नवनिर्मित कार्यालय का लोकार्पण किया।

बयानवीरों की सुरक्षा तत्काल हटाए सरकार: बृजभूषण शरण सिंह

गोंडा (उप्र)/भाषा। भाजपा के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन पर निशाना साधते हुए कहा कि धर्म, जाति या महापुरुषों के नाम पर समाज में तनाव फैलाने वाले ऐसे 'बयानवीर' को सरकारी सुरक्षा का लाभ नहीं मिलना चाहिए। सोमवार को बिश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर सिंह ने रामजीलाल सुमन के राणा सांगा पर दिए गए बयान को 'सोची-समझी राजनीति' करार दिया और कहा कि अब सरकार को स्पष्ट नीति बनानी होगी कि किसे सुरक्षा दी जाए और किसे नहीं। पूर्व सांसद ने कहा, ये जो बयानवीर हैं, वे किसी धर्म के खिलाफ, मजहब के खिलाफ, जाति के खिलाफ या किसी के व्यक्तिगत जीवन के बारे में अनावश्यक टिप्पणी करते हैं और फिर उससे तनाव पैदा होता है, ऐसे में केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार को इनको कम से कम सरकारी सुरक्षा नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा, जिन लोगों के कारण समाज में तनाव पैदा होता हो, वे चाहे हिन्दू बयान वीर हों या मुसलमान, इन बयानवीरों को सरकारी सुरक्षा नहीं दी जानी चाहिए। जो बयान देता है, वह अपनी सुरक्षा स्वयं करे। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग महापुरुषों की छवि धूमिल कर समाज में टकराव पैदा कर रहे हैं जो खतरनाक प्रवृति है और इससे राष्ट्रीय एकता पर सीधा प्रहार होता है।

भाजपा ने देश भर में मनाई अंबेडकर जयंती, प्रधानमंत्री ने अभियान का नेतृत्व किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के नेताओं ने देश भर में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जयंती मनायी और उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा महान दलित विचारक के जन्मदिन की आड़ में राजनीतिक विरोधियों पर हमला करने से भी नहीं चूके।

वक्फ संशोधन अधिनियम के कारण मची राजनीतिक घमासान के बीच मोदी ने इस कानून का विरोध करने वाली कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर निशाना साधा और उन पर अंबेडकर द्वारा प्रतिपादित संवैधानिक मूल्यों से परे जाकर 2013 में वक्फ कानून में संशोधन कर संविधान को नष्ट करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने जहां अंबेडकर के आदर्शों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए हरियाणा का दौरा किया, वहीं देश भर में उनकी पार्टी के सहयोगियों ने संविधान निर्माता को याद करने के लिए एक नए अभियान की अगुवाई की, जिसमें दलितों पर विशेष ध्यान दिया गया। दलित समुदाय देश भर में एक महत्वपूर्ण मतदाता समूह हैं और वे अंबेडकर का बहुत सम्मान करते हैं। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा राष्ट्रीय राजधानी के अलीपुर स्थित अंबेडकर के स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि देने गए, जहां उन्होंने 1956 में अंतिम सांस ली थी, जबकि पार्टी नेताओं ने इस मौके पर देश भर में अपने कार्यालयों में और अन्य स्थानों पर उनकी याद में कई कार्यक्रम आयोजित किए। भाजपा मुख्यालय में कई नेताओं ने संविधान की प्रस्तावना पढ़कर इसके मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर बल दिया।

डॉ अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में, भाजपा ने उन्हें याद करने के उद्देश्य से पार्टी के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में देश भर के नेताओं की एक कार्यशाला आयोजित की थी।

प्रधानमंत्री पटना में खेलो इंडिया युवा खेल 2025 का उद्घाटन करेंगे: नीतीश

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खेलो इंडिया युवा खेल 2025 का उद्घाटन करने के लिए अगले महीने बिहार का दौरा करेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक समारोह को संबोधित कर रहे थे, जिसमें केंद्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया भी उपस्थित थे।

नीतीश कुमार ने कहा, ''यह हमारे लिए खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार मई को पटना में खेलो इंडिया युवा खेल 2025 का उद्घाटन करेंगे। इन खेलों के आयोजन ने हमें राज्य में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया है।''

मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित समारोह में रिमोट कंट्रोल के माध्यम से खेलों के लोगो और शुभंकर का अनावरण किया गया।

इन खेलों का आयोजन चार से 15 मई तक बिहार के पांच जिलों पटना, गया, नालंदा, भागलपुर और बेगुसराय में किया जाएगा। इन खेलों में देश भर के 8500 खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के 1500 सदस्य हिस्सा लेंगे।

मुझे 'गद्दार' बताने वाले पोस्टर के पीछे नाथूराम गोडसे के समर्थकों का हाथ : दिग्विजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने सोमवार को दावा किया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के मुद्दे को लेकर मध्यप्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर विवादास्पद पोस्टर लगाने के पीछे महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के ''समर्थकों'' का हाथ है। पोस्टर में सिंह को ''गद्दार'' बताया गया था।

मध्यप्रदेश, सिंह का गृहराज्य है जहां वह 1993 से 2003 तक 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे थे। इंदौर और राज्य के अन्य शहरों में हाल में लगाए गए विवादास्पद पोस्टर पर छपा था-''वक्फ बिल का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह।'' पोस्टर में दिग्विजय सिंह (78) की तस्वीर पर एक सील के ठप्पे का निशान भी बनाया गया था जिस पर छपा था-''वतन के, धर्म के, पूर्वजों के गद्दार।''

यहां महू नाका चौराहा पर लगाए गए ऐसे पोस्टर के नीचे ''भारतीय जनता युवा मोर्चा, इंदौर महानगर'' छपा था। इसके खिलाफ कांग्रेस शहर के छत्रीपुरा थाने में शिकायत कर चुकी है।

भाजपा और टीएमसी दोनों वोट बैंक की राजनीति के लिए धर्म से खेल रहे हैं : नौशाद सिद्दीकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ही दल वोट बैंक की राजनीति के लिए पश्चिम बंगाल में ''धर्म के साथ खेल रही हैं'' और उन्हें आर्थिक विकास की कोई चिंता नहीं है।

सिद्दीकी ने कोलकाता के रामलीला मैदान में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सार्वजनिक रूप से अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है, लेकिन वास्तव में, दिखावे के लिए उसने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ 'मौन समझौता' कर लिया है। उन्होंने कहा, ''हम वक्फ (संशोधन) अधिनियम का पूरी ताकत से विरोध करने की कसम खाते हैं। हम इसे विफल करने के लिए हर कदम उठाएंगे। लेकिन, टीएमसी इस अधिनियम के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयानबाजी तो कर रही है, लेकिन इसका विरोध करने को लेकर गंभीर नहीं है।''

आईएसएफ के विधायक ने कहा, ''ऐसा लगता है कि वे भाजपा के साथ 'बैकडोर सेटिंग' (समझौता) कर रहे हैं। टीएमसी के कुछ शीर्ष नेताओं ने हजारों एकड़ भूसंपदा अर्जित कर ली है। वे मुसलमानों सहित आम लोगों का कल्याण नहीं चाहते हैं।''

पश्चिम बंगाल में भांगर विधानसभा सीट से निर्वाचित आईएसएफ के एकमात्र विधायक ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने आरजी कर अस्पताल की महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या की जांच को दबाने की साजिश रची है, जिससे पता चलता है कि उन्हें आम लोगों की कोई चिंता नहीं है।

सिद्दीकी ने लोगों से धार्मिक आधार पर उन्हें बांटने की साजिश के प्रति सतर्क रहने का आग्रह करते हुए कहा कि शुभेंदु अधिकारी जैसे भाजपा नेता हिंदुओं से एकजुट रहने को केवल इसलिए कह रहे हैं ताकि सत्ता में आने के लिए हिंदू वोटों का एक हिस्सा हासिल किया जा सके।

रैली से पहले, आईएसएफ समर्थकों की कोलकाता जाते समय भांगर में पुलिस के साथ झड़प हुई। उनके वाहनों को रोक दिया गया और उन्होंने बसंती राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर कर दिया।

सिद्दीकी ने दावा किया कि पुलिस कार्रवाई में आईएसएफ के कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं, लेकिन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

दलितों के कल्याण के लिए अंबेडकर के रास्ते पर चल रहे हैं : माणिक साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार बीआर अंबेडकर के दिखाए रास्ते पर चलते हुए दलितों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

अगरतला के उज्जयंत पैलेस में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साहा ने कहा कि संविधान निर्माता अंबेडकर को उनके योगदान के लिए बहुत देर से सम्मानित किया गया क्योंकि उनकी मृत्यु के 40 साल से अधिक समय बाद उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, ''अंबेडकर ने दलितों के लिए काम किया था और जाति व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।''

विपक्षी कांग्रेस और माकपा ने भी अंबेडकर की जयंती मनाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने कहा, ''हमने अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और संविधान तथा उसके मूल्यों को नष्ट करने के किसी भी प्रयास को विफल करने की शपथ ली।'' आशीष ने कहा, ''संविधान और आरक्षण को नुकसान पहुंचाने के लगातार प्रयास किए गए हैं। कांग्रेस ऐसे प्रयासों का विरोध करती रहेगी।'' इस बीच, धलाई जिले के दुर्गा चौमुहानी में अंबेडकर जयंती मनाने के लिए माकपा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम पर हमला किया गया, जिसमें पार्टी का एक कार्यकर्ता घायल हो गया। माकपा ने आरोप लगाया कि हमले में भाजपा संरक्षित गुंडों का हाथ है, हालांकि सत्तारूढ़ दल ने आरोप को खारिज कर दिया है। पुलिस ने बताया कि घायल माकपा कार्यकर्ता की पहचान अनिल दास के रूप में हुई है, जिसे कुलई जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुविचार

महत्वाकांक्षा सफलता का मार्ग है। दृढ़ता वह वाहन है जिस पर आप सफलता तक पहुंचते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुनहरे सपनों का छलावा

महाराष्ट्र पुलिस की साइबर शाखा ने म्यांमार में 60 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को 'साइबर गुलामी' से मुक्त करवाकर प्रशंसनीय काम किया है। ऊंचे वेतन वाली नौकरी के झांसे में आकर ये लोग विदेश गए, लेकिन यह सफर उनके लिए सुनहरे सपनों का छलावा ही साबित हुआ। वहां उन्हें साइबर धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर किया गया! जिन्होंने साइबर अपराधियों की बात नहीं मानी, उन्हें उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उनकी आपबीती सुनकर ब्रिटिश साम्राज्यवाद के उन कपटी एजेंटों की यादें ताजा हो जाती हैं, जिन्होंने भोले-भाले लोगों को धोखा देकर उन्हें फिजी, मॉरिशस जैसे देशों में गुलाम बनाकर भेज दिया था। उनमें से कई तो वापस नहीं आ सके। अब इंटरनेट का ज़माना है। लोगों के पास देश-दुनिया की काफी जानकारी है। लिहाजा उन्हें नौकरी के नाम पर लंबे समय तक बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता। जो लोग सोशल मीडिया पर थाईलैंड, म्यांमार जैसे देशों में मोटी कमाई और कई सुविधाओं वाली नौकरी से संबंधित पोस्ट्स पर विश्वास कर चले गए और वहां साइबर अपराधियों के चंगुल में फंस गए, उन्हें खुद से एक सवाल जरूर पूछना चाहिए- इन देशों की अर्थव्यवस्था की हालत बहुत अच्छी नहीं है, वहां भी बेरोजगारी है, इसके बावजूद उनकी कंपनियां आपको ऊंचा वेतन देकर नौकरी के लिए क्यों बुला रही हैं? खासकर म्यांमार में जैसा माहौल है, वहां किसी भारतीय के लिए ऐसी नौकरी की कितनी संभावनाएं हैं? जो व्यक्ति विदेश में नौकरी के लिए जाना चाहता है, उसे अपने स्तर पर कुछ तो जांच-पड़ताल करनी चाहिए। यह कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। सर्च इंजन, एआई चैटबॉट समेत ढेरों विकल्प मौजूद हैं, जो कुछ ही सेकंडों में उस देश की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति का विवरण पेश कर सकते हैं।

थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया में पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। उनसे संबंधित ख़बरें ऑनलाइन उपलब्ध हैं। यह दुर्भाग्य का विषय है कि हमारे यहां विदेश में नौकरी का इतना महिमामंडन कर दिया गया है कि कई युवाओं ने इसे अपने जीवन का एकमात्र लक्ष्य बना लिया है। वैध, अवैध, जो भी तरीका हो, विदेश जाना है, वहीं नौकरी करनी है। इस मानसिकता ने कई परिवारों को भारी नुकसान पहुंचाया है। पंजाब, हरियाणा में तो कई गांव ऐसे हैं, जहां के युवाओं ने 'डंकी' लगाकर अमेरिका में घुसपैठ की और यहां पटाखे जलाकर खुशियां मनाई गईं! जब से अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्ती बरतनी शुरू की है, अवैध प्रवासियों के हौसले ठंडे पड़े हैं, लेकिन विदेश जाने की इच्छा कम नहीं हुई है। अमेरिका नहीं जा सकते तो क्या हुआ? थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया में कमाई के मौके खुल गए हैं! यह कमाई गले का फंदा बन सकती है। जो लोग सोशल मीडिया पोस्ट देखकर वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं, वे पहले उन लोगों के अनुभव जरूर पढ़ लें, जिन्हें अपनी जान बचाने के लिए सरकार से गुहार लगानी पड़ी थी। शुरुआत में उनसे बहुत विनम्रतापूर्वक बातचीत की गई। एजेंटों द्वारा पासपोर्ट, टिकट जैसे इंतजाम किए गए। उन्हें थाईलैंड पहुंचकर ऐसा महसूस हुआ कि अब ज़िंदगी बेहतर होने वाली है। उसके बाद छोटी नौकाओं में बैठाकर म्यांमार भेज दिए गए और यह जानकर बड़ा झटका लगा कि एजेंटों ने उनका सौदा कर लिया है। जिन नए लोगों से सामना होता है, वे एके-47 राइफल समेत कई घातक हथियारों से लैस होते हैं। वे चाहते हैं कि 'भर्ती किए गए' लोग जल्द ऑनलाइन ठगी का काम शुरू करें और उन्हें पैसा कमाकर दें। जो उनके निर्देशों का पालन नहीं करता, उसके नाखून तक उखाड़ लेते हैं। जो ज़रा-सी ग़लती करता है, उसका वेतन काट लेते हैं। विदेश जाकर ऐसी कमाई करने से लाख गुना बेहतर है- अपने देश में कोई काम सीख लें। कम-से-कम, सुकून की रोटी तो मिलेगी। हमारे युवा सावधान रहें। विदेश में ऐसी कमाई के लालच में बिल्कुल न आएं।

ट्वीटर टॉक

आज संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती है। उनका जीवन... उनका संघर्ष... उनका जीवन संदेश... हमारी सरकार की 11 साल की यात्रा का प्रेरणा-स्तंभ बना है। हर दिन, हर फैसला, हर नीति... बाबा साहेब अंबेडकर को समर्पित है।

-नरेन्द्र मोदी

आज विद्याधर नगर विधानसभा के श्री गौरक्षनाथ आश्रम संस्थान ज्योतिर्लिंग हनुमान गणेश मंदिर में वरिष्ठ नागरिक धोबी बसेठा समाज सुधार सेवा समिति द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-दीया कुमारी

आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर भाजपा जोधपुर शहर के कार्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ जी ने जिसकी अगुवाई की। बाबा साहेब के जीवन व आदर्शों और विचारों पर चर्चा हुई।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मृत्यु से बड़ा भय

एक पुरानी तिब्बती कथा है कि दो उल्लू एक वृक्ष पर आकर बैठे। एक उल्लू के मुंह में सांप था, जो उसका भोजन था। दूसरा उल्लू एक चूहा पकड़ लाया था। दोनों पास-पास बैठे। सांप ने जैसे ही चूहे को देखा, वह यह भूल गया कि वह उल्लू के मुंह में है और मृत्यु के बहुत निकट है। चूहे को देखकर उसके मुंह में पानी भर आया। उसकी इंद्रियों की तृप्ति की लालसा इतनी प्रबल थी कि उसे अपने मृत्यु-स्थिति का भी भान नहीं रहा। उधर, जैसे ही चूहे ने सांप को देखा, वह भयभीत हो गया। वह कांपने लगामृत्यु के मुंह में होने के बावजूद, डर उसे सांप से लग रहा था। दोनों उल्लू यह दृश्य देखकर हैरान रह गए। एक उल्लू ने दूसरे से पूछा, 'भाई, क्या तुमने यह समझा कि यह क्या हो रहा है?' दूसरे उल्लू ने उत्तर दिया, 'बिलकुल! अब समझ में आया कि रस, स्वाद और इंद्रिय-तृप्ति की इच्छा इतनी गहरी होती है कि मृत्यु सामने खड़ी हो, तब भी दिखाई नहीं देती। और यह भी समझ में आया कि भय, मृत्यु से भी बड़ा होता है।'

सामयिक

मुर्शिदाबाद का भयावह सच

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से लेकर मध्यप्रदेश का गुना और इसके पहले नागपुर मलाड आदि की घटनाओं से निस्संदेह देश को डरना चाहिए। इसका यह अर्थ नहीं कि डर कर चुपचाप बैठ जाए बल्कि इन घटनाओं में लगातार दिख रहे यथार्थ को पहचान कर उसके अनुरूप व्यवहार तय करने का समय है। मुर्शिदाबाद से भागीरथी नदी में नाव पर बैठकर पलायन करते और फिर मालदा जिले में उतरते लोगों की तस्वीरें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को अंदर से हिला देगी। हम पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में गैर मुस्लिमों, हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा पर अपनी भौंहें है टेढ़ी करते हैं, अपने देश के बारे में क्या कहेंगे? मालदा के पारलालपुर हाई स्कूल में शरण लिए लगभग 500 लोगों की तस्वीरें एवं वक्तव्य देश के सामने है। इनमें तीन दिन के नवजात से लेकर महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हैं। स्थानीय स्थानीय लोगों ने कम से कम उन्हें गले लगाया और खाने-पीने की व्यवस्था कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार की यात्रा के बाद पार्टी और दूसरे हिंदू संगठन भी सक्रिय हुए। लेकिन क्या किसी को याद है 2021 विधानसभा चुनाव के बाद हिंदू असम और झारखंड में पहुंच गए थे। वे आज तक लौटे या नहीं लौटे देश को पता भी नहीं था। जब असम के मुख्यमंत्री हिमांतो विस्वासर्मा ने अपनी पोस्ट लिखी तब इसकी जानकारी हुई। वर्तमान घटना में पलायन कर गए लोग मुर्शिदाबाद के धुलियान के हैं। वे बता रहे हैं कि घरों में आग लगा दी, मारपीट की गई, अब न घर रहा न खाने को राशन बचा हम करें तो क्या करें, जो कुछ था वह सब लूट कर ले गए। मणिपुर पर तूफान खड़ा करने वाले और यात्रा करने वाले राहुल गांधी से लेकर विपक्ष के नेताओं की चुप्पी ज्यादा डरावनी है। मणिपुर देश के लिए सभी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए किंतु क्या मुर्शिदाबाद नहीं?

यही वह प्रश्न है अलग-अलग ऐसी घटनाओं और संदर्भों में जिनका उत्तर भारत स्पष्ट रूप से कभी नहीं दे सका। धुलियान में एक गरीब पिता पुत्र की हत्या कर दी गई जो हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। मूर्तिकार से किसका वैर का हो सकता है? लोग कह रहे हैं कि उनकी पानी की टंकी में जहर मिला दिया गया। इसमें कितनी सच्चाई है अभी तक तो ममता बनर्जी सरकार को टंकियां जांच करके बता देना चाहिए था। नहीं बताने का मतलब? कई तालाबों में मछलियों सहित अन्य जीव मेर पाए गए। यानी हमलावर घोषणा कर रहे थे कि सारे पानी में जहर मिला देंगे तो संभवत उन्होंने तालाब में ऐसा किया। टीवी कैमरों के माध्यम से देश ने वहां की हिंसा देखी। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भी अलग-अलग क्षेत्र में हिंसाहो रही है। शमशेरगंज सहित कई स्थानों में बीएसएफ की टीम पर गोलीबारी की गई। बीएसएफ कई घरों में जमा किए पत्थर हटा रही है। कोलकाता कोलकाता उच्च न्यायालय के आदेश के कारण केंद्रीय सुरक्षा बलों की 17 कंपनियां तैनात की गई अन्यथा पश्चिम बंगाल पुलिस के रहते क्या हो रहा था और क्या होता इसकी कल्पना से रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भले आप आलोचना करिए और उनके विरोधी हों। इन विकट परिस्थितियों में हिंदू समाज के साथ इनके अलावा कोई खड़ा नहीं दिखता। अन्य पार्टियों की स्थानीय ईकाइयां सच देखती हैं, भूमिका निभाता भी चाहती हैं लेकिन प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व के दबाव में नहीं करती। सबसे बुरी स्थिति कांग्रेस के पिछले लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी की है। उनकी बात पार्टी में ही सुनने वाला कोई नहीं क्योंकि यहां पूरे देश का मुस्लिम वोट बैंक प्रभावित होता है। स्थानीय भाजपा के कई नेताओं ने प्रदेश में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम या अफस्पा लागू करने की मांग की है। आपको यह भले नागवार गुजरे किंतु पश्चिम बंगाल की स्थिति को देखिए और निष्कर्ष निकालिए कि वहां क्या किया जाना चाहिए?

किसी का वक्फ संशोधन कानून से विरोध है तो उसका तरीका हिन्दुओं पर हमला कैसे सकता है? वैसे तो वक्फ क कानून में ऐसा कुछ नहीं है जिसे मुसलमान या इस्लाम के विरुद्ध साबित किया जा रहा है। इस तरह की जहर फैलाने वाले वास्तव में स्वयं मुस्लिम समाज के ही दुश्मन हैं। बावजूद अगर आपको विरोध करना है तो इसके लिए हिंदुओं के घरों पर हमले करने, धर्म स्थलों को क्षतिग्रस्त करने, हत्याएं करने, दुकान घर जलाने आदि की क्या आवश्यकता है? ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशव्यापी विरोध का आह्वान किया था। क्या हिंसा के लिए उसे दोषी नहीं माना जाना चाहिए? हमलावरों की तैयारी कितनी थी यह है इसका अनुमान इसी से लगाइए कि पलायन कर गए लोग बता रहे हैं कि वे गैस सिलेंडरों को खोलकर दियासलाई से आग लग रहे थे और पेट्रोल डाल रहे थे। आगजनी, पत्थरबाजी और गोली चलाने के लिए पहले की तैयारी चाहिए। गुना में हनुमान जयंती की शोभायात्रा पर जितनी भारी संख्या में पत्थर चले और आगजनी हुई उसकी तैयारी एकाएक संभव नहीं। इसी तरह हजारीबाग में हुआ। पिछले लंबे समय से हम देख रहे हैं कि हिंदुओं से जुड़े उत्सवों, शोभा यात्राओं, प्रतिमा विसर्जनों आदि पर इसी तरह पत्थरों से हमले होते हैं फिर अग्निकांड होता है। इससे भी डरावना सच यह है कि कोई बड़ा मुस्लिम नेता या संगठन हिंसा के विरुद्ध मुखर होकर सामने नहीं आते। दूसरे पक्ष को ही दोषी ठहरने का अभियान चलता है और कहा जाता है कि हमले उनके उकसाने पर हुए। किसी के उकसाने पर हजारों-लाखों की संख्या में पत्थर, पेट्रोल बम पैदा हो सकते। मुर्शिदाबाद पर बंगाल की ममता सरकार में मंत्री सिद्धीकुल्ला चौधरी कह रहे हैं कि हिंसा में बाहरी और भाजपा के लोग शामिल थे, वे बीएसएफ की गोली से मारे गए। जंगीपुर के स्थानीय तृणमूल सांसद खलीलुर रहमान का बयान भी यही है। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष का वक्तव्य है कि एक राजनीतिक दल ने बाहर से अपराधियों को लाकर बीएसएफ के सहयोग से मुर्शिदाबाद में तांडव मचाया है।

ममता सरकार और उनकी पार्टी का स्टैंड यही है तो आप उनसे क्या उम्मीद कर सकते हैं। यह पहली बार नहीं है। पिछले वर्ष लगभग इसी समय जब वर्धमान जिले में एक बम विस्फोट की जांच करने गई एनआईए की टीम पर जबरदस्त हमले हुए। विस्फोट बम बनाने के दौरान हुई और मरने वाले तीनों तृणमूल के थे। जाहिर है इसमें किसके गले तक हाथ पहुंचता। चाहे शाहजहां शेख पर कार्रवाई करने गई टीम हो या अन्य जगह वहां हमेशा बड़ी संख्या में उन्हें हिंसक विरोध का सामना करना पड़ता है खदेड़ा जाता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लेकर पूरी सरकार , पार्टी हमला बोल शैली में साथ खड़ी होती है। जब सरकार और पुलिस प्रशासन का भय नहीं हो तो कट्टरवादी तत्व ऐसे ही उन्माद फैलाता है।

तो सच को सच की तरह देखिए फिर रास्ता निकालिए कि क्या हो सकता है। बंगाल संपूर्ण देश के लिए ऐसा डरावना प्रश्न बना हुआ है जिसका अभी तक उत्तर नहीं मिला है। धीरे-धीरे दूसरे राज्यों में भी हिंदू उत्सवों प्रतिमा विसर्जनों शोभा यात्राओं आदि पर हमले की प्रवृत्तियां बढ़ीं हैं। उनके संदर्भ में हिंदू संगठनों, सरकारों तथा पार्टियों को नए सिरे से अपनी स्थाई रणनीति और व्यवहार तय करनी होगी। मुस्लिम समुदाय के अंदर भी उदारवादी तबके को उनके विरुद्ध खुलकर सामने आना चाहिए। यह देश बचाने का प्रश्न है।

लेकिन जो समाज अपनी आत्मरक्षा और प्रतिरोध की शक्ति खो देता है उसकी कोई रक्षा नहीं कर सकता। इस समय हिंदू समाज संविधान के तहत हिंसा या गलत के प्रतिरोध के अंधकार तक का इस्तेमाल करने का साहस नहीं दिख रहा। कम से कम ऐसी घटनाओं के विरोध में अहिंसक तरीके से धरना प्रदर्शन जैसे प्रतिरोध तो होना चाहिए था। बावजूद बंगाल जैसी स्थिति किसी की नहीं। केरल की कुख्याति भी बंगाल के सामने कमजोर काफ छोटी हो गई है। न्यायालय की स्थिति यह है कि 2021 में हिंदुओं के पलायन का मामला उच्चतम न्यायालय में आया और सुनवाई के दौरान एक बंगाली न्यायमूर्ति ने पहले अपने को अलग किया। फिर सुनवाई आरंभ हुई और एक और बंगाली जज साहब ने स्वयं को अलग कर लिया। इस कारण वह बाधित रही। वैसे भी न्यायालयें ऐसी बढ़ती या स्थाई हो चुकी प्रवृत्तियों का समाधान नहीं कर सकतीं।

नजरिया

बेहाल वृद्धों के लिए आयोग बनना एक सराहनीय कदम

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

केरल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। यह एक सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल होने के बावजूद एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है कि आखिर भारत के बुजुर्ग इतने उपेक्षित एवं प्रताड़ित क्यों है? केरल जैसे शिक्षित राज्य में ही इस आयोग को बनाने की जरूरत क्यों सामने आयी? केरल में क्यों सामाजिक सुरक्षा, स्नेह, सुरक्षा की वह छांव लुप्त होती जा रही है, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। क्यों केरल में ही बुजुर्ग सर्वाधिक अकेलेपन एवं एकाकीपन का संत्रास झेलने को विवश हो रहे है? केरल में कई बुजुर्ग लोगों को युवा पीढ़ी के हाथों गरीबी और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रांत में कई गांव ऐसे हैं जहां केवल बुजुर्ग ही बचे हैं, प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? यूं तो समूचे देश में बुजुर्गों की लगभग यही स्थिति बन रही है, जो सामाजिक व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग है।

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था। केरल के योजना बोर्ड के अनुसार, 2015 में यह बढ़कर 13.1 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.3 प्रतिशत था। अब, दक्षिणी राज्य में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 4.8 मिलियन लोग हैं। इसके अलावा, बुजुर्ग समूह का 15 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक आयु का है, जो इसे बुजुर्ग लोगों के बीच सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला आयु समूह बनाता है। 60 से अधिक आयु वर्ग में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है और उनमें से अधिकांश विधवाएं हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को पारित इस कानून की सराहना करते हुए कहा कि यह नया आयोग बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याण और पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करेगा।

देश में बुजुर्गों की हालत दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। केरल देश के सबसे शिक्षित राज्यों में शुमार होता है तो बुजुर्गों के प्रति बरती जा रही उपेक्षा, उदासीनता एवं प्रताड़ना में भी सबसे आगे है। लगभग 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ में इसी प्रांत के सर्वाधिक युवा है। भले ही इस प्रांत ने सर्वाधिक शिक्षा से प्रगतिशील सोच दी है, लेकिन अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है, जिससे ही बुजुर्गों की उपेक्षा या उनको उनके हाल पर छोड़ देने की विकृत मानसिकता एवं त्रासदी उभरी है। वृद्धों की उपेक्षा देशभर में देखने को मिल रही है, हाल के वर्षों में केरल के बाद पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा? एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। कुछ वृद्धों के पास तो धन का अभाव भी इस समस्या को विकराल रूप दे रहा है। राज्य में वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं।

भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं उदासीनता एक बढ़ती चिंता का विषय है, उनका एकाकीपन एवं अकेलापन उससे बड़ी समस्या है। केरल के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। लेकिन यह वक्त बताएगा कि भ्रष्ट अफसरशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कितना कारगर होगा? लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो समस्या के समाधान की दिशा में रोशनी बनेगा। जरूरत है सरकारी अधिकारी संवेदनशीलता एवं इंसानियत से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करने के लिये आगे आये। केरल की सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु के अनुसार आयोग समृद्ध और निम्न आय वाले दोनों ही परिवारों के वृद्ध व्यक्तियों के शोषण की समस्या का महत्वपूर्ण समाधान करेगा। जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, उनकी गरिमा, कल्याण और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ लोगों को अक्सर स्वास्थ्य में गिरावट, अकेलेपन और वित्तीय असुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आवश्यक सहायता प्रदान करने से अधिक समावेशी और दयालु समाज बनाने में मदद मिलती है।

निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता एवं मनोबल इसमें सहायक बनेगा। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में देश युवा भारत से बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं? क्या केरल की तरह अन्य राज्यों की सरकारें एवं केन्द्र सरकार लगातार बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के लिये ठोस कदम उठायेगी? वसुधैव कुटुम्बकम की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी गतदिनों हाईकोर्ट के अनेक फैसलों को पलटते हुए सराहनीय पहल की है। जिनमें अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच पर विराम लगेगा, क्योंकि यह आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है।

संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला में कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि इस तरह परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। ऐसे शर्म को धोने के लिये ही केरल सरकार का वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग बनाना एवं सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील होना एक उजाला बना है, जिससे जीवन की संध्या को कष्टपूर्ण होने से निजात मिलने की उम्मीदें जगी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

फैशन वीक

अभिनेता ताहिर शब्बीर और गौहर खान सोमवार को मुंबई में बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक के दौरान रैंप पर चलते हुए।

कनिका भवनः जहां डॉ. अंबेडकर ने लिखा था संविधान

नई दिल्ली/भाषा। मध्य दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित कनिका भवन वह बंगला है, जिसमें बाबासाहेब बीआर अंबेडकर ने भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में रहते हुए संविधान का प्रारूप लिखा था। इस भवन को मूल रूप से ओडिशा में कनिका की तत्कालीन रियासत के नाम पर रखा गया था। इंडिया गेट के निकट इस ऐतिहासिक इमारत 'कनिका हाउस' का पता अब एक, हार्डिंग एवेन्यू से बदलकर एक, तिलक मार्ग है। वर्ष 1891 में आज ही के दिन (14 अप्रैल) जन्मे अंबेडकर ने बहुत संघर्षपूर्ण जीवन जिया और दलित समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

अंबेडकर भारत के पहले कानून मंत्री बने और 1947 से 1951 तक कैबिनेट में सेवा की।

संविधान सभा के लगभग तीन वर्ष की अवधि तक किए गए विचार-विमर्श के बाद संविधान स्वीकृत किया गया। देश में 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ, जो भारत गणराज्य के जन्म का प्रतीक है। अंबेडकर विधि विशेषज्ञ और संविधान निर्माता के रूप में जाने जाते हैं तथा देश भर में बड़ी संख्या में लोगों, विशेष रूप से दलित समुदाय द्वारा इन्हें पूजा जाता है।

संविधान सभा की पहली बैठक नौ दिसंबर, 1946 को पुराने संसद भवन के भव्य केंद्रीय कक्ष में हुई थी।

सभा ने 26 नवंबर, 1949 को संविधान को स्वीकृत किया था। कानून मंत्री के रूप में अंबेडकर कनिका भवन में रहे, जिसका नाम तत्कालीन कनिका रियासत के नाम पर रखा गया था।

विरोध

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बेरोजगार हुए शिक्षकों का एक वर्ग पश्चिम बंगाल से आगे अपना विरोध प्रदर्शन बढ़ाने के लिए सोमवार को कोलकाता में दिल्ली के लिए बस में सवार होने से पहले।

बाबासाहेब अंबेडकर ने कभी अनुच्छेद 370 को स्वीकार नहीं किया : मोहन यादव

महू (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को बाबासाहब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें याद किया और कहा कि संविधान निर्माता ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को कभी स्वीकार नहीं किया। यादव ने महान समाज सुधारक की जन्मस्थली महू में एक कार्यक्रम में कहा कि बाबासाहब अंबेडकर के उल्लेखनीय प्रयासों ने एक हजार साल की गुलामी की विसंगतियों को दूर किया और इनके आधार पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन गया है। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को खत्म करके जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनके अधिकार वापस दिए हैं। उन्होंने कहा, ''बाबासाहब अंबेडकर ने अनुच्छेद 370 को कभी स्वीकार नहीं किया। उनका योगदान बहुआयामी है। उन्होंने भारत के लिए भविष्य की चुनौतियों को महसूस किया। बाबासाहब अंबेडकर ने अपने संघर्ष से सीखा और दूसरों की मदद की।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने समाज के उत्थान के लिए जिस तरह का काम किया, वह पहले कभी नहीं देखा गया और संविधान द्वारा प्रदान किए गए आरक्षण ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समेत समाज के हर वर्ग की मदद की है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों के बीच साक्षरता दर कभी केवल 1.5 प्रतिशत थी लेकिन आज वह 59 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े सभी स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता दी। महू में भीम जन्मभूमि को तीर्थ के रूप में विकसित करने में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा और शिवराज सिंह चौहान का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। राज्य सरकार भीम जन्मस्थल महू में धर्मशाला निर्माण के लिए 3.5 एकड़ जमीन देगी, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा होगी।'

' उन्होंने डॉ. अंबेडकर कामधेनु योजना से प्रदेश के किसानों के समृद्ध होने का दावा करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का कोई व्यक्ति डेयरी खोलता है तो उसे सरकार की ओर से 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

जर्मन पनडुब्बी ने जहाज के साथ अंबेडकर का पीएचडी शोध प्रबंध भी पानी में डुबो दिया था

नई दिल्ली/भाषा। डॉ. बी.आर. अंबेडकर को शिक्षा के क्षेत्र में अपने करियर के रास्ते में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा, उनमें से एक जर्मन पनडुब्बी भी थी।

वर्ष 1917 में, जब प्रथम विश्वयुद्ध अपने चरम पर था, अंबेडकर ने अपने पीएचडी शोध प्रबंध का एक मसौदा और पुस्तकों का एक विशाल संग्रह एसएस साल्सेट नामक जहाज के जरिये लंदन से तत्कालीन बॉम्बे भेजा था। हालांकि एक जर्मन पनडुब्बी से दागे गए टारपीडो ने उक्त जहाज के साथ ही अंबेडकर की पुस्तकों और उनके पीएचडी शोध प्रबंध के मसौदे को इंग्लिश चैनल की गहराई में डुबो दिया था।

'प्रॉब्लम आफ रुपी' नामक पुस्तक के लेखक अंबेडकर से जुड़ी यह घटना अब एक पुस्तक का हिस्सा बन गई है।

हालांकि इस घटना के बावजूद अंबेडकर ने आगे बढ़ने का अपना हौसला नहीं छोड़ा और उन्होंने अपना प्रयास दोगुना कर दिया। उन्हें कम से कम दो डॉक्टरेट और कई अन्य मानद उपाधियां मिलीं।

इस घटना के साथ ही अंबेडकर के अथक शैक्षणिक प्रयासों को आकाश सिंह राठौर की पुस्तक 'बीकमिंग बाबासाहेब: द लाइफ एंड टाइम्स ऑफ भीमराव रामजी अंबेडकर (खंड 1) में शामिल किया गया है। इस पुस्तक को हार्परकॉलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित किया गया है।

बड़ौदा छात्रवृत्ति की अवधि समाप्त होने और रियासत द्वारा वित्तीय सहायता बढ़ाने से इनकार किये जाने के बाद अंबेडकर को वर्ष 1917 की गर्मियों में भारत लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। वे लंदन से रवाना हुए, वह शहर जहां उन्होंने एक साल से अधिक समय तक अथक परिश्रम किया था। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एमएससी का कोर्सवर्क पूरा कर लिया था और कोलंबिया विश्वविद्यालय में पीएचडी की तैयारी में थे। हालांकि, उन्हें अभी भी अपनी 'मास्टर्स थीसिस' जमा करनी थी और उनका डॉक्टरेट शोध प्रबंध भी पूरा नहीं हुआ था।

हॉरर सीरीज 'खौफ' में नजर आएंगे रजत कपूर

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने अभिनेता रजत कपूर प्राइम वीडियो की हॉरर सीरीज 'खौफ' में नजर आएंगे। रजत कपूर एक जबरदस्त स्टोरीटेलर हैं, जो अपने हटके फैसलों और दमदार अभिनय से हमेशा कुछ अलग ही दिखाते आए हैं। वह उन कलाकारों में हैं जो फिल्मों में दिखावे से ज़्यादा कहानी को तवज्जो देते हैं। उनके निभाए किरदार और कहानियां सादगी में भी गहराई लिए होती हैं, जो सीधे दिल को छू जाती हैं। रजत कपूरएक बार फिर एक अलग ही अंदाज़ में लौटे हैं। इस बार वह प्राइम वीडियो की हॉरर सीरीज़ 'खौफ' में नजर आयेंगे। रजत कपूर ने 'खौफ' में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, ये किरदार अब तक के मेरे किसी भी रोल से बिल्कुल अलग है। जब मुझे कॉल आया और मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं सच में रोमांचित हो गया था। ऐसा लगा जैसे ये मेरे लिए एक बड़ा बदलाव है, अब तक जो किया है उससे बिल्कुल हटकर। पंकज और स्मिता से मिलने से पहले ही मैंने जो मटेरियल पढ़ा था, वो पढ़ते ही एक अजीब सी सनसनी महसूस हुई। रीढ़ में सिहरन सी दौड़ गई, जो आमतौर पर नहीं होता। मैं उस वक्त ही रोल को लेकर काफी जुड़ाव महसूस कर रहा था। कई बार ऐसा होता है कि किरदार वैसा नहीं बन पाता जैसा सोचा था, लेकिन यहां उल्टा हुआ। शूटिंग का एक्सपीरियंस, कॉस्ट्यूम, मेकअप सबने इसे और भी खास बना दिया। यह उन चंद प्रोजेक्ट्स में से एक है जिसे लेकर मैं सच में एक्साइटेड हूं।

आमतौर पर मुझे अपने काम को लेकर इतनी एक्साइटमेंट नहीं होती, लेकिन इस बार कुछ अलग है। 'ख़ौफ' से क्रिएटर और शो रनर के तौर पर स्मिता सिंह डेब्यू कर रही हैं। इस सीरीज़ को संजय रौतरे और सरिता पाटिल ने मैचबॉक्स शॉट्स बैनर तले एग्ज़ीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है।

पंकज कुमार और सूर्य बालकृष्णन ने इसे निर्देशित किया है। इस सीरीज में मोनिका पंवार, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी और शिल्पा शुक्ला जैसे दमदार कलाकार नज़र आएंगे। 'ख़ौफ' 18 अप्रैल को भारत समेत 240 से ज़्यादा देशों में प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी।

फिल्म 'दायरा' में काम करेंगी करीना कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री करीना कपूर खान ,फिल्मकार मेघना गुलजार की आने वाली फिल्म दायरा में काम करती नजर आयेंगी। फिल्म दायरा में करीना कपूर, पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ काम करती नजर आयेंगी। करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म दायरा में काम करने की घोषणा की है। करीना कपूर ने कैप्शन में लिखा, मेरा मानना है कि मैं एक निर्देशक की कलाकार हूं। और इस बार मैं हमारे सबसे बेहतरीन निर्देशकों में से एक, मेघना गुलजार और शानदार पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। मैं इनके काम की प्रशंसक हूं। अपनी ड्रीम टीम दायरा से बस यही कहूंगी आइए मिलकर आगे बढ़ते हैं। करीना कपूर ने कहा, हिंदी सिनेमा में 25 साल पूरे होने के मौके पर मैं अपनी अगली फिल्म दायरा की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं, जिसकी निर्देशक मेघना गुलजार हैं। तलवार से लेकर राजी तक, मैं उनके काम की प्रशंसक रही हूं और उनके प्रोजेक्ट में काम करना वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा है।

मुंबई में सोमवार को अभिनेता जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह सोमवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे।

ऋचा चड्ढा ने लोगों में बढ़ती उदासी के बारे में की बात

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपने ताजा पोस्ट के माध्यम से लोगों में बढ़ती उदासी को दर्शाते हुए समाज को आईना दिखाया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, पिछले कुछ महीनों से, मैं एक नई मां के रूप में अपने जीवन का अनुभव करते हुए, लगभग एक गवाह के रूप में, किसी चीज से जूझ रही हूं... और उसके साथ ही समुद्र की लहरों की तरह आने वाली भावनाएं। उच्च ज्वार (हाई टाइड) और निम्न ज्वार (लो टाइड)। 'फुकरे' की एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं चाहे किसी से भी बात करूं, चाहे वे भारत में रहते हों या नहीं, चाहे वे युवा हों या बूढ़े, चाहे वे किसी भी लिंग के हों, चाहे वे नास्तिक हों या ईश्वर-भक्त, चाहे वे कलाकार हों या सामान्य - एक अकथनीय उदासी है। आसन्न और आसन्न विनाश की भावना, एक प्रकार की सुन्न निराशा, जो संघर्ष से पैदा होती है। एआई के बढ़ते प्रभाव के बारे में बोलते हुए, उन्होंने आगे कहा, आर्थिक अनिश्चितता मदद नहीं करती है। एक भावना है कि या तो वे इस तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिकता खो देंगे या उनकी नौकरी अप्रचलित हो सकती है। एआई के सामने यह एक बहुत ही वास्तविक डर है। मैं समझती हूं। युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के तेजी से बढ़ने के बारे में बात करते हुए, ऋचा ने लिखा, भविष्य को लेकर चिंता व्याप्त है, चाहे आप इसे किसी भी नजरिए से देखें। शायद महामारी ने हमें और हमारे आस-पास के माहौल को उससे कहीं ज़्यादा बदल दिया है, जितना हम खुद को स्वीकार कर सकते हैं। जहां तक स्वास्थ्य का सवाल है, अराजकता भी है। जबकि कई लोग इस वास्तविकता को स्वीकार कर रहे हैं कि प्रकृति ही धन का स्रोत है और विकास हमारे आवास की कीमत पर नहीं हो सकता, अधिकांश लोग इस बात से चिंतित हैं कि युवा भी मर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कुछ बदल गया है। कुछ गड़बड़ है। शायद जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसके बारे में जो कुछ भी बताया गया है, वह झूठ है।

फिल्म जाट को मिल रही प्रशंसा से अभिभूत हैं सनी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल अपनी फिल्म जाट को दर्शकों से मिल रही प्रशंसा से अभिभूत हैं। गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट 10 अप्रैल को रिलीज हुयी है। इस फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सनी देओल के फैंस ट्रैक्टर-ट्रॉली में ढोल-नगाड़ों के साथ थिएटर पहुंचते हैं, और जैसे ही सनी की एंट्री होती है, पूरा ग्रुप नाचने लगता है। वो जोश, वो जुनून हर उम्र के लोग, किशोर से लेकर बुजुर्ग तक, गुलाल उड़ाते हुए सनी के लिए नारे लगा रहे हैं। सनी देओल ने लोगों से मिल रहे प्यार को देखते हुए अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, आप सभी का जाट पर बरसाया गया प्यार देखकर मैं भावुक हो गया हूं। जब मैं परिवारों को, महिलाओं के ग्रुप्स को, पूरी की पूरी गाड़ियों की कतार को और यहां तक कि ट्रैक्टरों को भी थिएटर की तरफ जाते देखता हूं तो यकीन नहीं होता कि ये सब हकीकत है। सिनेमाघरों में जो जोश, तालियां और प्यार मिल रहा है, वह बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैंने सपने में सोचा था।

फिल्म ग्राउंड ज़ीरो की शूटिंग की झलक आई सामने

मुंबई/एजेन्सी

एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अपनी आने वाली फिल्म ग्राउंड जीरो की झलक इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इमरान हाशमी और साईं ताम्हणकर की फिल्म ग्राउंड ज़ीरो को लेकर बज़ लगातार बढ़ता जा रहा है। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक बिहाइंड द सीन्स पोस्ट शेयर की है, जिसमें फिल्म ग्राउंड जीरो की टीम की मेहनत और जज़्बा साफ झलक रही है। इस फिल्म की शूटिंग कश्मीर की खूबसूरत वादियों में हुई है, जो इसकी दिलचस्प कहानी के कई अहम पलों के लिए एक दमदार बैकड्रॉप बनती है। तस्वीरों में इमरान हाशमी, साईं ताम्हणकर, फरहान अख्तर और निर्देशक तेजस प्रभा विजय देवस्कर को शूटिंग के दौरान कैंडिड मोमेंट्स में कैमरे में कैद किया गया है। ग्राउंड ज़ीरो उस मिशन पर आधारित है जिसे 2015 में बीएसएफ के पिछले 50 सालों में 'बेस्ट मिशन' का खिताब मिला था। फिल्म 'ग्राउंड जीरो' एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनायी जा रही है।

सीरीज 'ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सोनी लिव की सीरीज ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। दो मई को रिलीज़ होने वाली यह सीरीज़ डेनियल गैरी नामक एक पत्रकार की कहानी है, जो आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले एक मायावी युवक से जुड़ी हत्याओं के सिलसिले को उजागर करने के मिशन पर है।

इस सीरीज में अहम भूमिका निभाने वाले मयूर मोरे ने कहा, ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स का हिस्सा बनना मेरे करियर की सबसे अहम यात्राओं में से एक रही है। मेरा किरदार एक ऐसी दुनिया से आता है जहाँ विकल्प कम हैं और परिणाम कठोर हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। पुष्कर सुनील महाबलम द्वारा निर्देशित, ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स का निर्माण स्वरूप संपत और हेमल ए. ठक्कर ने किया है।

तिग्मांशु धूलिया के साथ, इस सीरीज़ में मयूर मोरे, पलक जायसवाल, देवेन भोजानी, एडवर्ड सोनेंब्लिक, हकीम शाहजहाँ, अनंत जोग, कमलेश सावंत और अन्य सहित कई नए और प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | मंगलवार | 15-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

हाई लाइफ प्रदर्शनी में दिखेगा फैशन, डेकोर और ज्वैलरी का जलवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फैशन, स्टाइल और लग्जरी के अनूठे नज़ारों के साथ हाई लाइफ प्रदर्शनी 15 और 16 अप्रैल को चेन्नई में आयोजित होगी। यह अन्ना सलाई स्थित हयात रिजेंसी में सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी।

इस स्प्रिंग समर संस्करण में टॉप डिजाइनरों द्वारा तैयार लेटेस्ट फैशन प्रॉडक्ट्स, आकर्षक ज्वैलरी और स्टाइलिश एक्सेसरीज की शानदार रेंज प्रदर्शित होगी। चाहे आप अपने वॉर्डरोब को अपडेट करना चाहते हों या अनूठे परिधानों की तलाश में हों, यह प्रदर्शनी हर फैशनप्रेमी की पसंद को पूरा करने के लिए तैयार है।

यहां आपको ब्राइडल वियर, गोल्ड और डायमंड ज्वैलरी, लहंगे, डिजाइनर साड़ियां, पार्टी वियर, कैजुअल और फॉर्मल कपड़े, मेन्स और किड्स एथनिक वियर, शॉल, स्टोल्स, फुटवियर, बैग्स, क्लच, बेड लिनन, फर्निशिंग, रग्स, कारपेट, पेंटिंग्स, म्यूरल्स, हैंडमेड सोप्स, स्पा एसेंशियल्स, हेयर और स्किन केयर प्रोडक्ट्स, स्टेशनरी, गिफ्टिंग आइटम्स, दीये, कैंडल्स, ट्रौसेउ पैकिंग और बहुत कुछ मिलेगा।

मदुरै से भगत की कोठी सुपरफास्ट ट्रेन का प्रवासियों ने किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै प्रवासी संगठन एवं उत्तर भारतीय यात्री सेवा संघ के सदस्यों ने मदुरै रेल्वे जंक्शन पर पहुँच कर मदुरै से भगत की कोठी प्रथम बार भीलड़ी समदड़ी रेल खंड पर रेल सेवा शुरू होने की खुशी में ट्रेन को फूलमाला से सजाया। ट्रेन के लोको पायलट सौन्दराजन व मुरुगन का माला एवं शॉल पहनाकर सम्मान किया। प्रवासियों को इस राजस्थान के लिए इस मार्ग पर ट्रेन की बहुत वर्षों से प्रतीक्षा थी जो आज पूरी हुई।

इस की खुशी में प्रवासी समाज बंधुओं ने स्टेशन पर मिठाई बांटी। सोमवार को ठीक सुबह 10:45 मिनट पर ट्रेन की रवानगी पर खुशी जाहिर करते हुए एक दूसरे को बधाई दी स्टेशन पर मदुरै प्रवासी विभिन्न समाज के काफ़ी संख्या में लोग पहुँचे व भारत माता के जयकारे लगाएं।

पुष्करमुनि पुण्यतिथि समारोह में डॉ. दिलीप धींग का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री तारक गुरु जैन ग्रंथालय, उदयपुर में पिछले दिनों उपाध्याय पुष्करमुनि की 32वीं पुण्यतिथि का आयोजन किया गया। नवकार मंत्र के सामूहिक जाप से शुरू हुए कार्यक्रम में जिनेन्द्रमुनि 'काव्यतीर्थ', साध्वी डॉ. हर्षप्रभा, साध्वी रमणिक कुँवर का सान्निध्य मिला। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग का उनके सतत साहित्य सृजन के लिए सम्मान किया।

राज्यपाल कटारिया ने पुष्करमुनि और तपस्वी केशूलालजी महाराज से जुड़े संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि वे राज्यपाल से पहले जैन श्रावक थे, आज भी श्रावक हैं और बाद में भी श्रावक रहेंगे। डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि पुष्करमुनि के गुरु ताराचंदजी महाराज बंबोरा के थे। पुष्करमुनि को गौरव था कि कवि डॉ. धींग उनके गुरु की जन्मस्थली बंबोरा के निवासी हैं। डॉ. धींग ने कहा कि पुष्करमुनि उपाध्याय थे। उपाध्याय ज्ञान का पद है। ज्ञान की आराधना करके उनकी श्रद्धार्चना की जानी चाहिए।

समारोह में पुष्कर साधना केन्द्र के महामंत्री संजय भंडारी, जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. पुष्पा खोखावत, एडवोकेट रोशनलाल जैन, देवेन्द्र धाम की कार्याध्यक्ष रजनी डांगी, हिम्मत बड़ाला, नरेन्द्र सेठिया, समता युवा संघ (बंबोरा) के पूर्व अध्यक्ष सुरेशचंद्र धींग, पुष्पा मोदी, सुमित्रा सिंघवी, एडवोकेट अतुल शाह धींग, दिनेश चोरड़िया सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएँ उपस्थित थे। महासती सोहनकुँवर महिला समिति ने 'अपना घर आश्रम' में भोजन का वितरण एवं तारक गुरु जैन मित्र मंडल ने पक्षियों के पानी के परिण्डों का वितरण किया। ग्रंथालय के मंत्री रमेश खोखावत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

महिलाओं के लिए मास्टर स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में जैन मेडिकल रिलीफ सोसायटी की देवराज माणिकचंद प्रसूति अस्पताल इकाई ने शनिवार को सुबह अस्पताल में महिलाओं के लिए मास्टर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। जिसमें नियमित रक्त परीक्षण, एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड स्कैन शामिल है। शिविर में 42 महिलाओं ने भाग लिया और उसके बाद विशेषज्ञ परामर्श दिया गया।

सचिव अजय दुगड ने प्रबंधन समिति, गौतम कांकरिया, गौतम नाहर, नितेश बाघमार, कमल खाबिया और डॉक्टरों और कर्मचारियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

राजस्थली क्लुब का 'बिग बॉस' मनोरंजन और मस्ती से भरपूर रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थली क्लब द्वारा रविवार को किलपॉक की एक होटल में मनोरंजन से भरपूर 'बिग बॉस' थीम पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 90 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के पावन उच्चारण से की गई, जिससे पूरे माहौल में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

'बिग बॉस' का संचालन क्लब के अध्यक्ष गुलाब गुलगुलिया ने किया। उनके मुख्य सहयोगी के रूप में इंदु गुलगुलिया और बिंदिया तातेड़ ने सक्रिय भूमिका निभाई। सदस्यों को चार टीमों में विभाजित किया गया और फिर एक के बाद एक मनोरंजक, हास्यपूर्ण, डांस आधारित और रचनात्मक खेलों की श्रृंखला शुरू हुई। हर गतिविधि में सदस्यों की भागीदारी ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। विजेता टीम के सभी प्रतिभागियों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया, जिससे प्रतियोगिता और भी रोमांचक बन गई। इस कार्यक्रम में विशेष योगदान अनिल बोथरा, सुरेश तातेड़, संतोष सेठिया,अशोक तातेड़ एवं प्रदीप चोरड़िया का रहा।

अंत में मंत्री सुरेश तातेड़ ने सभी सहयोगकर्ताओं और प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया। यह कार्यक्रम सभी के लिए एक यादगार अनुभव बन गया, जिसमें भरपूर मस्ती, हंसी और क्लब की एकता की झलक देखने को मिली।

अंतर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा सुपार्श्वनाथ मंदिर पर फिल्म शूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। यहां के श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ द्वारा संचालित बड़ा सुपार्श्वनाथ मंदिर में सोमवार को आचार्य श्री जयानन्द सूरि समुदाय की साध्वी मणिप्रभाश्रीजी की शिष्या साध्वीश्री पद्मप्रभाश्रीजी के सान्निध्य में स्नात्र पूजन का आयोजन किया गया। अनेक अंतर्राष्ट्रीय भाषा में डॉक्यूमेंट्री फिल्म टीम बनाने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'आर्टे रिपोर्ताज' ने जैन मंदिर की कला और चंदन के बारे में पूरे विश्व में जानकारी देने हेतु मंदिर का दौरा और फिल्म शूटिंग की।

इसकी मुख्य एंकर और निदेशक फ्रांस की करीन पेरिन, मुख्य फोटो निर्देशक जूल्स पिलोर्गे, संयोजक जूहन सैमुअल का सम्मान मंदिर के अध्यक्ष गुलाबचन्द मेहता, उपाध्यक्ष प्रकाश कोठारी सहित अनेक पदाधिकारियों ने किया। पूरे मंदिर के प्रांगण के अंदर एवं बाहर में एचडी विडियो और ड्रोन कैमरे की मदद से फिल्म शूटिंग शुरू हुई। कार्यक्रम में सुपार्श्वनाथ जैन भक्ति मंडल, बालिका मंडल, संस्कार वाटिका के बच्चों का अहम योगदान रहा।

प्रसन्नता से ही टेन्शन फ्री लाइफ जी सकते हैं : मुनि दीपकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन मंदिर के हॉल में आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में 'कैसे जीएं टेंशन फ्री लाइफ' विषयक विशेष प्रवचन का आयोजन जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, किलपॉक, द्वारा किया गया। प्रवचन में अच्छी उपस्थिति रही।

नमस्कार महामंत्र समुच्चारण से शुभारम्भ कार्यक्रम में मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि आज चारों तरफ टेन्शन के स्वर सुनाई दे रहे है। तनाव जीवन को खोखला करने वाला है। तनाव से ग्रस्त व्यक्ति नारकीय जीवन जीता है। समस्या सबके सामने आती हैं, जो हर हाल में मस्त रहना जानता है, वह समाधान खोज लेता है। जीवन में प्रसन्नता से ही टेन्सन फ्री लाइफ जी सकते हैं। जो सदा प्रसन्न रहना जानता, वह टेन्सन पर विजय पा लेता है। टेन्सन फ्री जीने के लिए जीवनशैली संतुलित हो। प्रवृत्ति और निवृत्ति में सन्तुलन हो। जितना सकारात्मक सोचेंगे उतना ही टेन्सन फ्री जी सकेंगे। प्रतिस्पर्धा से बचे, दूसरा आगे कैसे बढ़ गया, मैं पीछे न रह जाऊ, ऐसा चिंतन तनाव को बढ़ाने वाला होता है। प्रमोद भावना बढे। मुनि श्री काव्यकुमारजी ने कहा कि टेंशन फ्री लाइफ जीने के लिए तीन सूत्रों को अपनाना चाहिए। हैप्पीनेस, ओवरथिंकिंग से बचे और एलएमएल का सूत्र प्रदान किया।

तिरुपुर में श्री हनुमान जन्मोत्सव की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में तिरुपुर सेवा समिति में हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। पण्डित सुनिल दाधीच द्वारा गणेश वन्दना के साथ बालाजी महाराज कि ज्योत के साथ कार्यक्रम कि शुरुआत हुई। मंच संचालक नवीन कुमार शर्मा एवं नन्दकिशोर पारीक ने किया। उसके बाद कोलकाता से आयी भजन गायिका सरिता ओझा ने अपनी मधुर वाणी से बालाजी महाराज के भजनों कि प्रस्तुति दी कार्यक्रम में काफी श्रद्धालु भक्त आये। रात को दस बजे महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। मण्डल की ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

अन्नदान

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी नवयुवक मंडल अक्कीपेट के सदस्यों द्वारा अक्कीपेट स्थानक के सामने लगभग 250 से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। अमृतलाल कमलेश कुमार सालेचा के सौजन्य से आयोजित इस मानव सेवा कार्य में राज लुंकड़, पंकज विनायकिया, राजेंद्र बाफना, अरविंद कानूंगा, विकास पारख, महावीर छाजेड़, हनुमान चोपड़ा सहित अन्य सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

पीपाजी महाराज की जयंती समारोह हर्षोल्लास संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सकथिवेल नगर स्थित श्री पीपाजी दर्जी समाज द्वारा आयोजित दो दिवसीय श्रीपीपाजी महाराज की 702 में जयंती समारोह शनिवार संध्या हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। बताते चले की श्री पीपाजी क्षत्रिय दर्जी समाज चेन्नई के द्वारा आयोजित इस महोत्सव में शुक्रवार संध्या 7 बजे से मन्नड़ी सुंदरकांड समिति के द्वारा सुंदरकांड का पाठ वाचन किया गया एवं 9 बजे से प्रभु भक्ति भजन एवं बोलियां लगाई गई। वहीं शनिवार सुबह 9 बजे से पीपाजी क्षत्रिय दर्जी समाज एवं पीपाजी क्षत्रिय नवयुवक संघ के युवाओं, महिलाओं एवं सदस्यों ने पीपा जी महाराज की वरघोड़े झांकियां मंदिर के आसपास ही निकाली गई जिसमें समाज केलोग श्रद्धा के साथ नाचते झूमते हुए चल रहे थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.